शिमला से प्रकाशित

सरोकारी पत्रकारिता के लिए समर्पित

शैल समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक साप्ताहिक

प्रकाशन का 47 वां वर्ष

ई-पेपर

www.facebook.com/shailsamachar

प्रदेश का पहला ऑनलाईन साप्ताहिक

वर्ष 47 अंक-49 पंजीकरण आरएनआई 26040/74 डाक पजीकरण एच. पी./93/एस एम एल Valid upto 31-12-2023 सोमवार 05-12 दिसम्बर 2022 मूल्य पांच रूपए

कांग्रेस को मिली प्रदेश की सरकार सुखविन्दर सिंह सुक्खू बने मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री होंगे उप मुख्यमंत्री

- मंत्रीमण्डल विस्तार में लग सकता है समय
- पार्टी में गुटबाजी का सन्देश जाना हो सकता है नुकसानदेह
- शैल का चुनावी आकलन हुआ सही साबित

शिमला/शैल। हिमाचल में सत्ता परिवर्तन हो गया है कांग्रेस 40 सीटें जीत कर सत्ता पर काबिज हो गयी है। सोलन और हमीरपुर में भाजपा शून्य हो गयी है। शिमला, ऊना और कांगड़ा में भी कांग्रेस का प्रदर्शन शानदार रहा है। यदि मंडी और बिलासपुर में भी इसी स्तर का प्रदर्शन रहता तो निश्चित रूप से कांग्रेस का आंकड़ा 50 से भी बड़ जाता। मंडी और बिलासपुर का परिणाम भाजपा तथा कांग्रेस दोनों दलों के लिये अपने-अपने तौर पर चिन्तन और चिन्ता का विषय है। जबकि आम आदमी के लिए बिलासपुर सदर में जो कुछ घटा है वह चुनावी व्यवस्था पर सवाल खड़े करने का पर्याप्त आधार दे देता है। शैल के पाठक जानते हैं कि हमारा आकलन पूरी तरह सही साबित हुआ है। हम लगातार सत्ता परिवर्तन को लेकर आश्वस्त रहे हैं। लेकिन इस सत्ता परिवर्तन के बाद बड़ा सवाल यह होगा कि यह सरकार अपना कार्यकाल पूरी सफलता के साथ पूरा करे और प्रदेश की जनता को दी 10 गारन्टियों को शीघ्र से शीघ्र पूरा करे। नई सरकार पर यह सवाल इसलिये खड़ा हो रहा है कि जब पर्यवेक्षकों ने नेता चुनने को लेकर जब विधायकों के साथ बैठक की तब कार्यकर्ताओं ने अलग-अलग नेताओं के समर्थन में नारेबाजी कर दी। इस नारेबाजी के परिदृश्य में विधायकों की बैठक के बाद यह सामने आया कि सुखविन्दर सिंह मुख्यमंत्री और मुकेश अग्निहोत्री तथा विक्रमादित्य सिंह उपमुख्यमंत्री नामित हुये हैं। मीडिया में इस आश्य के समाचार भी प्रसारित हो गये हैं। लेकिन जब शपथ ग्रहण समारोह हुआ तो सिर्फ सुखविन्दर सिंह सुक्खु और मुकेश अग्निहोत्री की ही शपत हुई। विक्रमादित्य का नाम गायब हो गया। ऐसा क्यों हुआ इसकी कोई अधिकारी जानकारी आने की बजाये पार्टी में गुटबाजी होने के समाचार आने लग गये। यह सब आम आदमी के सामने घटा है और अनचाहे ही चर्चा का विषय बन गया है। इसी चर्चा के कारण मंत्रिमण्डल के गठन में समय लगने की बात हो रही है। बल्कि कुछ अन्य आवश्यक नयुक्तियां होने में भी समय लग रहा है। यह समय लगना और पार्टी के भीतर पहले दिन से गुटबाजी होने के समाचार आना आगे चलकर क्या रंग दिखाएंगे यह अभी से एक चिन्तन का विषय बन गया है क्योंकि विपक्ष में भाजपा है। गैर भाजपा सरकारों को तोड़ने के लिये ऑपरेशन लोटस कैसे चलता रहा है यह किसी से छिपा नहीं है। इसी परिदृश्य में यह चर्चा करना प्रसांगिक हो जाता है कि इस समय प्रदेश कांग्रेस में स्व. वीरभद्र के कद का कोई नेता नहीं है। उस कद का नेता बनने के लिये सभी को समय लगेगा। अभी कांग्रेस को अगले लोकसभा चुनावों तक स्व. वीरभद्र सिंह को अधिमान देकर चलना होगा। क्योंकि जब भी जयराम सरकार के फैसलों और उसके कार्यो पर सवाल उठेंगे तो उनका आकलन वीरभद्र सरकार के कार्यकाल से ही करना होगा। अगले लोकसभा चुनाव तक सुक्खु सरकार का केवल एक वर्ष की पूरा हुआ होगा। इस वर्ष में ओ.पी.एस., महिलाओं को 1500 रूपये प्रतिमाह तथा 300 यूनिट बिजली मुफ्त और एक लाख रोजगार सृजित करना ऐसे आर्थिक फैसले होंगे जिनमें साधन आवश्यक होंगे। यह साधन कैसे जूटाये जाते हैं इस पर सबकी निगाहें रहेंगी। चुनावों के दौरान कांग्रेस अपना आरोप पत्र जनता के बीच जारी कर चुकी है। इस पर ही कैसे अगली कारवाही शुरु होगी इस पर भी सबकी नजरें रहेंगी। आरोप पत्र पर कारवाई का सीधा प्रभाव राजनेताओं से पहले प्रशासन पर पड़ेगा। अभी शिमला नगर निगम के चुनावों का सामना करना पड़ेगा। इन चुनावों में एन.जी.टी. का फैसला और उस फैसले की अवहेलना के मामले एक बड़ा सवाल रहेंगे। क्योंकि अवहेलना का आरोप सरकार पर भी लग चुका है। इस संद्धर्भ में सरकार के स्टैण्ड का असर पूरे प्रदेश पर पड़ेगा। यह सब लोकसभा चुनाव से पहले हो जायेगा। इसका प्रभाव लोकसभा चुनाव पर अवश्य पड़ेगा। इसलिये सरकार को एक दूरगामी चिन्तन करके चलना होगा। इस वस्तुस्थिति में यह पहली आवश्यकता होगी की पार्टी में गुटबाजी होने का कोई भी परोक्ष/अपरोक्ष सन्देश नहीं जाना चाहिये। अभी कांग्रेस के हर नेता को हर आयोजन के मंच पर स्व. वीरभद्र सिंह को याद करना पड़ता है क्योंकि सरकार की अपनी परफॉरमैन्स को सामने आने में समय लगेगा। इसलिये विश्लेष्कों की नजर में 2024 के लोकसभा चुनाव तक वीरभद्र परिवार के सम्मान को किसी भी तरह की ठेस पहुंचाना नुकसानदेह हो सकता है। इन चुनावों में पार्टी को मण्डी लोकसभा क्षेत्र में कोई बड़ी सफलता नहीं मिली है। लेकिन बिलासपुर में भी चार में से 3 सीटें कांग्रेस हार गयी है। वहां पर सदर चुनाव क्षेत्र में चुनाव आयोग का आचरण जिस तरह का रहा है उसको बम्बर ठाकुर ने सीधा जगत प्रकाश नड्डा पर आरोप लगाया है। परन्तु कांग्रेस पार्टी की ओर से इस पर कोई प्रतिक्रिया न आना अपने में कई सवाल खड़े कर जाता है। मुख्यमंत्री सुखविन्दर सिंह सुक्खु का संगठन लम्बा अनुभव है वह यह अच्छी तरह से समझते हैं कि संगठन की छोटी घटनाएं भी कई बार बड़ा आकार ले लेती हैं। ऐसे में यह सुक्खु और मुकेश के लिये टैस्ट होगा कि वह गुटबाजी के सन्देश को कैसे रोक पाते हैं।

राज्यपाल ने सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष में उदारतापूर्वक योगदान देने का आह्वान किया

शिमला/शैल। राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर ने सशस्त्र सभी नागरिकों से सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष में उदारतापूर्वक योगदान

सेना झंडा दिवस के अवसर पर सशस्त्र बलों के सभी सदस्यों और उनके परिवारों को बधाई और शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर सैनिक कल्याण विभाग के निदेशक, ब्रिगेडियर मदन शील शर्मा (सेवानिवृत्त) ने राज्यपाल के कोट पर सशस्त्र सेना का झंडा लगाया।

इस अवसर पर, राज्यपाल ने देने और सैनिकों, पूर्व सैनिकों व उनके परिवारों के कल्याण के लिए कार्य व सेवा करने की अपील की। उन्होंने कहा कि देश का हर नागरिक भारतीय सशस्त्र बलों की महत्वपूर्ण भूमिका से परिचित है। देश के सैनिक कठिन परिस्थितियों के समय और प्राकृतिक आपदाओं के दौरान देश व नागरिकों की मदद करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे सशस्त्र बलों का गौरवशाली इतिहास रहा है। सेना, नौसेना और वायु सेना के जवानों ने देश की सेवा करते हुए जो बलिदान दिया है, वह उल्लेखनीय है।

उन्होंने कहा कि मैं इन सैनिकों के साहस और समर्पण को सलाम करता हूं और देश के लिए उनकी वीरता और सेवा के लिए आभार व्यक्त करता हूं। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश के वीर सपूत हमारे सशस्त्र बलों का गौरव हैं इसलिए यह और अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है कि हम सभी इस नेक काम के लिए उदारता से योगदान दें।

इस अवसर पर सैनिक कल्याण विभाग के निदेशक ब्रिगेडियर मदन शील शर्मा (सेवानिवृत्त) ने राज्यपाल को भूतपूर्व सैनिकों, वीर नारियों, उनके आश्रितों और सेवारत सशस्त्र बल कर्मियों के कल्याण के लिए विभाग द्वारा किए गए प्रयासों और पहलों के बारे में जानकारी दी।

मुख्यमंत्री ने राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंपा

शिमला/शैल। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने राजभवन

पहुंच कर राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंपा। राज्यपाल ने इसे स्वीकार कर लिया है। राज्यपाल ने मंत्रिपरिषद की सलाह के अनुसार, हिमाचल प्रदेश विधानसभा को तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया है। उन्होंने जय राम ठाकुर के नेतृत्व वाली राज्य की वर्तमान सरकार से अनुरोध किया है कि वह पद पर बने रहें और अपने कार्यों का निर्वहन तब तक करें जब तक कि नई विधानसभा का गठन न हो जाये और नई सरकार न बन जाए।

इस संबंध में राजभवन से अधिसूचना जारी कर दी गई है।

सीबीएफसी की नवनियुक्त सदस्य ने राज्यपाल से भेंट की

शिमला/शैल। राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर से राजभवन में केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) की नवनियुक्त सदस्य भारती कुठियाला ने भेंट की। राज्यपाल ने भारती कुठियाला को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के सदस्य के रूप में नियुक्त होने पर बधाई दी। उन्होंने भारती कुठियाला और हिम सिने सोसाइटी को भविष्य में फिल्म से जुड़े विषयों पर और अधिक लगन और प्रभावी ढंग से कार्य करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश के इतिहास में पहली बार किसी महिला को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के लिए मनोनीत किया गया है जो गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय स्तर पर रंगमंच के लिए अलग विभाग बनाने के मुद्दे पर विचार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय लोक कलाओं को बढ़ावा देने से निश्चित रूप से स्थानीय कलाकारों को उचित मंच प्राप्त होगा।

इस अवसर पर भारती कुठियाला ने राज्यपाल को 'हिम सिने सोसाइटी एक सोच' संस्था की गतिविधियों से अवगत करवाया। उन्होंने कहा कि संस्था का उद्देश्य सिनेमा के माध्यम से भारतीय संस्कृति, कलात्मक और नैतिक मूल्यों को फिर से स्थापित करना, हिमाचलियों के सार्वजनिक जीवन के साथ-साथ सामाजिक हित एवं भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि संस्था का उद्देश्य कला और सिनेमा में रुचि रखने वाले व्यक्तियों और फिल्म निर्माण में इच्छुक युवाओं को प्रोत्साहित करना है।

इस अवसर पर उन्होंने राज्यपाल को स्व: लिखित पुस्तकों का एक सेट भी भेंट किया।

इस अवसर पर हिम सिने सोसाइटी के कोषाध्यक्ष अनुज पंत और सदस्य कपिल शर्मा भी उपस्थित थे।

सामाजिक सौहार्द भारतीय संस्कृति की पहचान: राज्यपाल

शिमला/शैल। राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने कहा कि सामाजिक समरसता भारतीय संस्कृति की पहचान है और यह प्रत्येक नागरिक

का कर्तव्य है कि वे इसे बनाए रखने में अपना योगदान सुनिश्चित करें।

राज्यपाल शिमला के ऐतिहासिक गेयटी थियेटर में सामाजिक समरसता दिवस के अवसर पर सुनील उपाध्याय एजुकेशनल ट्रस्ट द्वारा आयोजित सेमिनार को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विदेशी आक्रमणकारियों के देश पर प्रभावी होने को भी सद्भाव की कमी होना बताया। उन्होंने कहा कि अगर देश में सद्भाव होता तो वे हमारी सामाजिक व्यवस्था को नुकसान नहीं पहुंचा पाते। उन्होंने समरसता और समानता को अलग-अलग विषय बताया और कहा कि संविधान ने हमें समानता का अधिकार दिया है। जबकि सद्भाव की गारंटी किसी ने नहीं ली।

राज्यपाल ने कहा कि सद्भाव की गारंटी समाज को खुद लेनी होगी और इसके लिए समाज में जागरूकता पैदा करने की आवश्यकता है। राज्यपाल ने कहा कि बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर की तरह सुनील उपाध्याय ने भी अपना सम्पूर्ण जीवन राष्ट्र के लिए समर्पित कर दिया। उनके विचारों को आगे बढ़ाते हुए विद्यार्थी परिषद के स्वयंसेवक देश में लोगों की मानसिकता में बदलाव लाने की दिशा में काम कर रहे हैं। उन्होंने हिमाचल प्रदेश में जातिवाद से जुड़ी कुछ घटनाओं पर भी चिंता व्यक्त की और कहा कि हम सभी को इस दिशा में काम करने की ज़रूरत है। उन्होंने कहा कि सामाजिक गतिविधियों और स्कूली स्तर पर पिछड़े वर्गो के नाम पर ऐसा होना अत्यंत पीड़ादायक है। उन्होंने लोगों से बाबा साहेब अम्बेडकर की जीवनी पढ़ने का आग्रह किया। उन्होंने बाबा साहेब को हिंदू समाज सुधारक बताया। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति की इस ताकत का पूरी दुनिया में प्रसार करने की आवश्यकता है। इसके लिए सभी को आगे आना चाहिए और इसे अमल में लाना चाहिए।

इससे पहले, राज्यपाल ने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों को भी सम्मानित किया।

इस अवसर पर सहकार भारती के राष्ट्रीय संगठन मंत्री संजय पाचपोर ने कहा कि जिस तरह यशवंत राव केलकर छात्र संगठन की ताकत थे उसी तरह सुनील उपाध्याय हिमाचल प्रदेश में राष्ट्रीय विचारधारा लेकर आए। उन्होंने आयोजकों से सुनील उपाध्याय के जीवन पर आधारित एक पुस्तक प्रकाशित करने का आग्रह किया ताकि आने वाली पीढ़ियों को मार्गदर्शन प्राप्त हो सके। उन्होंने कहा कि सुनील उपाध्याय में व्यक्तित्व निर्माण और लोगों को जोड़ने की शक्ति थी। उन्होंने बाबा साहेब के जीवन पर भी प्रकाश डाला और कहा कि उनके लिए राष्ट्र सर्वोपरि रहा है। उन्होंने कहा कि जब तक भारत में पूरी तरह से समरसता नहीं होगी तब तक भारत शक्तिशाली और समर्थ नहीं बन पाएगा। उन्होंने इसे व्यवहार में लाने की आवश्यकता पर बल दिया।

सुनील उपाध्याय एजुकेशनल ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रो. सुनील कुमार गुप्ता ने राज्यपाल का स्वागत किया और कहा कि ये ट्रस्ट, सुनील उपाध्याय के विचारों को आगे बढ़ाने के लिए काम कर रहा है। सुनील उपाध्याय एजुकेशनल ट्रस्ट के सचिव प्रो. सुरेंद्र शर्मा ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विभिन्न गणमान्य लोग भी उपस्थित थे।

शैल समाचार
संपादक मण्डल

संपादक- बलदेव शर्मा
सयुक्त संपादक:जे.पी.भारद्वाज
विधि सलाहकार: ऋचा
अन्य सहयोगी
राजेश ठाकुर
अंजना

पूर्व सैनिकों के लिए महारैली का आयोजन

शिमला/शैल। हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले के 1000 से अधिक पूर्व सैनिकों और वीर नारियों की आवश्यकताओं और शिकायतों के संदर्भ में राइजिंग स्टार कोर द्वारा योल में एक महा रैली का आयोजन किया गया। लैफ्टिनेंट जनरल नव के खण्डूरी, एवीएसएम, वीएसएम, आर्मी कमाण्डर, पश्चिमी कमान इस महारैली के मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे। आर्मी कमाण्डर ने समारोह में उपस्थित पुरस्कृत विजेताओं और वीर नारियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर बोलते हुए आर्मी कमाण्डर ने कहा कि

हमारे सम्मानित दिग्गजों और बहादुर वीर नारियों की उपलब्धियां भारतीय सेना में हमारे लोकाचार के मूल में हैं।

उन्होनें वीर नारियों के त्याग और बलिदान के प्रति गहरा आभार व्यक्त किया और साथ ही वीर विजेताओं को भी सम्मानित किया। भारत सरकार एवं भारतीय सेना द्वारा महिला सशक्तिकरण के लिए हाल ही में शुरू की गई कल्याणकारी योजनाओं के बारे में भी पूर्व सैनिकों और वीर नारियों को अवगत कराया गया।

भूतपूर्व सैनिक और वीर नारियों की शिकायतों के निवारण के अतिरिक्त, कार्यक्रम स्थल पर चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया और कल्याणकारी योजनाओं की पूर्व सैनिकों तक आसान पहुँच सुनिश्चित की गई। इस अवसर पर भारतीय सेना के पूर्व सैनिक निदेशालय, सेना कल्याण प्लेसमेंट संगठन और पूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना के प्रतिनिधियों द्वारा सम्मानित पूर्व सैनिकों और वीर नारियों को प्रमुख सरकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई। गतका, कलारिपयट्ट सहित एक जीवंत सांस्कृतिक कार्यक्रम और राइजिंग स्टार कोर के संयुक्त पाईप बैण्ड के शानदार प्रदर्शन ने धौलाधार पर्वतमाला की सुरम्य पृष्ठ भूमि में दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। यह आयोजन पूर्व सैनिकों के साथ मेल-मिलाप को मजबूत करने और निकट सम्बन्ध बनाए रखने के लिए पश्चिमी कमान के अथक प्रयासों का हिस्सा है।

सुखविंदर सिंह सुक्खू ने हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री और मुकेश अग्निहोत्री ने उप-मुख्यमंत्री पद की शपथ ग्रहण की

शिमला/शैल। राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर ने शिमला

के रिज पर आयोजित एक भव्य समारोह में सुखविंदर सिंह सुक्खू को हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई।

राज्यपाल ने इस अवसर पर मुकेश अग्निहोत्री को प्रदेश के उप-मुख्यमंत्री के रूप में पद और गोपनीयता की शपथ भी दिलाई।

राष्ट्रीय कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राष्ट्रीय कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी व प्रियंका गांधी, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, हिमाचल प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी राजीव शुक्ला, हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, वरिष्ठ राष्ट्रीय कांग्रेस नेता मुकुल वासनिक, पूर्व केंद्रीय मंत्री पवन बंसल और आनंद शर्मा, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रणदीप सुरजेवाला, जितेंद्र बिट्टू और सचिन पायलट, मुख्यमंत्री और उप-मुख्यमंत्री के परिजन, विधायकगण, कांग्रेस के अन्य वरिष्ठ नेता, वरिष्ठ अधिकारी तथा हिमाचल प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आये लोग भारी संख्या में इस अवसर पर उपस्थित थे।

कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय वीरभद्र सिंह के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।

हिमाचल भवन व राज्य अतिथि गृहों में विधायकों को देना होगा आम लोगों के समान किराया

शिमला/शैल। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कांग्रेस विधायक दल की बैठक की

अध्यक्षता की।

इसके उपरांत मुख्यमंत्री ने मीडिया कर्मियों से बातचीत करते हुए कहा कि बैठक में यह निर्णय लिया गया है कि विधायकों एवं उनके परिजनों को हिमाचल भवन/सदन और राज्य अतिथि गृहों में आम जनता के समान कमरों के किराए की अदायगी करनी होगी।

सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि राज्य सरकार जन शिकायतों के निवारण को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार सुशासन में पारदर्शिता लाने के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता से कार्य करेगी।

अटल टनल पर सोनिया गांधी की शिलान्यास पटिका पुनर्स्थापित की जाये: मुख्यमंत्री

शिमला/शैल। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि राज्य सरकार सोनिया गांधी द्वारा रखी गई अटल टनल रोहतांग की आधारशिला पटिका को पुनर्स्थापित करने का मामला संबंधित प्राधिकारी के समक्ष रखा जाएगा। यह पटिका सोनिया गांधी द्वारा 28 जून, 2010 को बतौर राष्ट्रीय सलाहकार परिषद के अध्यक्ष के रूप में स्थापित की गई थी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह शिलान्यास पटिका गायब है जो लोकतंत्र का अपमान है और इसे शीघ्र पुनर्स्थापित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिला लाहौल-स्पीति को बारहमासी संपर्क सुविधा बहाल रखने के दृष्टिगत इस 9.02 किलोमीटर लंबी सुरंग का निर्माण सीमा सड़क संगठन द्वारा किया गया था।

उल्लेखनीय है कि कांग्रेस पार्टी ने पहले भी इस पटिका की पुनर्स्थापना को लेकर संबंधित अधिकारियों के समक्ष मामला उठाया है।

सुक्खू के नेतृत्व में प्रदेश सरकार जन आकांक्षाओं पर खरा उतरेगी:प्रतिभा सिंह

शिमला/शैल। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सांसद प्रतिभा सिंह ने प्रदेश के

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू को उनके कार्यालय सचिवालय में जाकर उन्हें फूलों का गुच्छा दिया साथ ही उन्हें इस पद की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने उम्मीद जताई कि सुक्खू के नेतृत्व में प्रदेश की कांग्रेस सरकार जन आकांक्षाओं पर खरा उतरेगी।

प्रतिभा सिंह ने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस ने पूरी एकजुटता के साथ कार्य करते हुए इन चुनावों में शानदार जीत हासिल की हैं। उन्होंने इस जीत के लिये कांग्रेस कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी कड़ी मेहनत और लोगों के विश्वास से कांग्रेस को यह जीत हासिल हुई है।

प्रतिभा सिंह ने कहा कि संगठन और सरकार के बीच बेहतर और मजबूत तालमेल बना रहेगा, जिससे प्रदेश के लोगों की जन आकांक्षाओं को पूरा किया जा सके। उन्होंने कहा है कि कार्यकर्ता पार्टी की रीढ़ है इसलिए उन्हें पूरा मान सम्मान दिया जाना चाहिए।

प्रतिभा सिंह ने उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री को भी उनके नए पदभार संभालने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

बाद में प्रतिभा सिंह ने ओक ओवर जाकर पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर से भी शिष्टाचार भेंट की।

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू का जीवन परिचय

स्व. श्री रसील सिंह के सुपुत्र सुखविंदर सिंह सुक्खू का जन्म 27 मार्च, 1964 को नादौन, जिला हमीरपुर में हुआ। उन्होंने एम.ए.,एल.एल.बी. की शिक्षा ग्रहण की है तथा उनका विवाह कमलेश ठाकुर से हुआ। उनकी दो सुपुत्रियां हैं।

वह वर्ष 1981-82 तथा 1982-83 में राजकीय स्नातक महाविद्यालय संजौली शिमला के कक्षा प्रतिनिधि रहे। वर्ष 1983-1984 में वह राजकीय स्नातक महाविद्यालय संजौली, शिमला के महासचिव निर्वाचित हुए तथा वर्ष 1984-85 में राजकीय डिग्री महाविद्यालय संजौली के अध्यक्ष निर्वाचित किए गए।

वर्ष 1985-86 के दौरान वह हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के विधि विभाग के विभागीय प्रतिनिधि रहे तथा वर्ष 1989-95 तक राज्य युवा कांग्रेस के अध्यक्ष रहे। वर्ष 1995-1998 तक वह प्रदेश युवा कांग्रेस के महासचिव, वर्ष 1998-2008 तक प्रदेश युवा कांग्रेस के अध्यक्ष रहे। वर्ष 1992-97 और 1997-2002 तक वह दो बार नगर निगम शिमला के पार्षद चुने गए। वर्ष 2008 से 2012 तक वह प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव और 8 जनवरी, 2013 में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बने।

वर्ष 2003 और वर्ष 2007 में वह प्रदेश विधान सभा के लिए निर्वाचित हुए। वर्ष 2007-12 तक कांग्रेस विधायक दल के मुख्य सचेतक रहे।

सुखविंदर सिंह सुक्खू दिसंबर, 2017 में तीसरी बार विधायक के रूप में चुने गए और सार्वजनिक उपक्रम, विशेषाधिकार और व्यापार सलाहकार समितियों के सदस्य के रूप में नामित हुए।

दिसंबर, 2022 में वह चौथी बार फिर प्रदेश विधानसभा के लिए चुने गए हैं और अब मुख्यमंत्री पद का पदभार ग्रहण किया।

उप-मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री का जीवन परिचय

मुकेश अग्निहोत्री का जन्म स्व.ओंकार चन्द शर्मा के घर 9 अक्तूबर, 1962 को हुआ। वह मूल रूप से गाँव व डाकघर गोंदपुर, जिला ऊना से संबंध रखते हैं।

उन्होंने बी.एस.सी., लोक सम्पर्क एवं विज्ञापन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा और एम.एस.सी गणित की शिक्षा ग्रहण की है। उनका विवाह सिम्मी अग्निहोत्री से हुआ और उनकी एक पुत्री है।

उन्होंने लगभग 15 वर्षों तक देश के विभिन्न प्रतिष्ठित समाचार पत्रों में कार्य किया। वह हिमाचल प्रदेश सरकार की प्रैस प्रत्यायन कमेटी के सदस्य, राज्य प्रेस सलाहकार समिति के सदस्य, हि.प्र. विधानसभा की प्रेस गैलरी समिति के सदस्य और राज्य सरकार की पहाड़ी भाषा समिति के सदस्य रह चुके हैं। इसके अलावा, वह प्रेस क्लब, शिमला, हिमाचल प्रदेश कांग्रेस समिति के महासचिव और प्रदेश कांग्रेस समिति के मीडिया सैल के महासचिव रह चुके हैं।

मार्च, 2003 में वह पहली बार संतोखगढ़ (अब हरोली) विधानसभा से प्रदेश विधानसभा के लिए निर्वाचित हुए। उसके उपरांत वह वर्ष 2007, 2012, 2017 और 2022 में प्रदेश विधानसभा सदस्य के रूप में पांचवीं बार निवाचित हुए।

मुकेश अग्निहोत्री 2003 से 2005 तक मुख्य संसदीय सचिव तथा हिमाचल प्रदेश सरकार के आवास बोर्ड के अध्यक्ष नियुक्त किए गए। दिसंबर 2012 से 2017 के कार्यकाल के दौरान उन्होंने प्रदेश के उद्योग, श्रम एवं रोज़गार, संसदीय मामले और सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग मंत्री के रूप में अपनी सेवाएं दीं। वर्ष 2017 से 2022 तक वह सदन में नेता प्रतिपक्ष रहे।

दिसंबर, 2022 में वह 14वीं विधानसभा के लिए पुनः निर्वाचित हुए हैं और प्रदेश के उप-मुख्यमंत्री का कार्यभार संभाला है।

श्रेष्ठ होने का अनंत प्रयास मनुष्य का कर्तव्य है, यह अपना प्रतिफल है। बाकी सब कुछ भगवान के हाथ में है। ......महात्मा गांधी

सम्पादकीय

व्यवस्था परिवर्तन–कुछ सवाल

हिमाचल में सत्ता परिवर्तन हो गया है कांग्रेस की सरकार बन गयी है। नई सरकार के मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह ने दावा किया है कि वह इस सत्ता परिवर्तन के माध्यम से प्रदेश की व्यवस्था बदलने का प्रयास करेंगे। मुख्यमंत्री के इस दावे की चर्चा करने से पहले प्रदेश की इस समय की व्यवस्था को समझना आवश्यक हो जाता है। परिवार से लेकर प्रदेश और देश के संचालन तक के लिए कुछ नियम कानून तथा प्रथाएं स्थापित की जाती है। जब इन स्थापित मानकों की किसी भी कारण से अनदेखी की जाने लगती है तभी व्यवस्था के गड़बड़ाने के आरोप लगने शुरू हो जाते हैं। यह अनदेखी उस समय और भी गंभीर सवाल बन जाती है जब व्यवस्था के शीर्ष पर बैठा व्यक्ति अपने ही फैसलों को अंतिम सच मानना और प्रचारित करना शुरू कर देता है। आज राष्ट्रीय स्तर पर यह स्थिति उस मोड़ तक पहुंच गयी है जहां सर्वोच्च न्यायालय को भी यह कहना पड़ा है कि जब कानून है तो उसे मानना ही पड़ेगा। नियमों कानूनों की अनुपालना ही व्यवस्था होती है। प्रदेश में दर्जनों मामले हैं जहां पर नियमों कानूनों की अवहेलना हुई है। इसमें सबसे पहले प्रदेश की वित्तीय स्थिति आती है। जब जयराम सरकार ने सत्ता संभाली थी तब प्रदेश का कर्ज भार 46,000 करोड़ था जो आज बढ़कर 70,000 करोड़ भी कहीं ज्यादा हो गया है। जबकि एफ.आर.वी.एम. के मुताबिक यह कर्ज डी.जी.पी. के 3% से अधिक नहीं होना चाहिये। कर्ज को 3% के दायरे में ही रखने के लिये केंद्र एक बार प्रदेश को चेतावनी भी दे चुका है। पिछले मानसून सत्र के बाद प्रदेश के करीब हर विधानसभा क्षेत्र में करोड़ों की योजनाएं घोषित हुई हैं। क्या इस आश्य के प्रशासनिक प्रस्तावों को अनुमोदित करने से पहले वित्तीय अनुमोदन लिया गया है? क्या ऐसे अनुमोदन पर कर्ज के बिना भी धन की उपलब्धता रही है? क्या कर्ज लेकर घी पीने की प्रथा व्यवस्था पर एक गंभीर सवाल नहीं बन जाता है। रेवड़ी संस्कृति पर राष्ट्रीय स्तर पर सवाल उठने के बाद यह मामला भी सर्वोच्च न्यायालय तक पहुंच चुका है। केन्द्र सरकार जयराम की सरकार को कोई आर्थिक सहायता नहीं दे पायी है तो सुक्खु सरकार को ऐसी सहायता मिल पाना कठिन लगता है। सरकार को 10 गारन्टीयां पूरी करनी है और कुछ तो पहली बैठक में ही पूरी करनी होगी। वित्त विभाग कर्ज के अतिरिक्त और कोई उपाय पिछली सरकार को नहीं सुझा पाया है तो अब कैसे कर पायेगा। यह सरकार के लिए एक बड़ी चुनौती होगी। जबकि प्रदेश की जानकारी रखने वालों का मानना है कि कर्ज और करों का बोझ बढ़ाये बिना भी सरकार चलाई जा सकती है। इसके लिए जनता को विश्वास में लेना होगा और इस विश्वास के लिए श्वेत पत्र जारी करना पहली आवश्यकता होगी। कांग्रेस ने जनता से वादा किया है कि वह पिछले छः माह में लिये गये फैसलों की समीक्षा करके उन्हें बदलेगी। क्या गलत फैसलों के लिये किसी को जिम्मेदार भी ठहराया जायेगा यह देखना भी महत्वपूर्ण होगा। क्योंकि इस दौरान कुछ विभागों में भ्रष्टाचार के कई गंभीर मामले घटे हैं। पिछली सरकार प्रशासन के साथ कितना तालमेल बिठा पायी थी इसका पता इसी से चल जाता है कि सात मुख्य सचिव बदलने पड़े क्योंकि वरीयता को नजरअन्दाज करने का जो कदम पहले दिन से ही उठ गया उसे अन्त तक सुधारा नहीं जा सका। यदि किसी ने मत विभिन्नता प्रकट की तो उसे विरोधी मानकर कुचलने का प्रयास किया गया। इसका परिणाम यह हुआ कि भ्रष्टाचार मुख्य संस्कृति बन गयी और भ्रष्टाचार के किसी भी प्रकरण पर कोई कार्यवाही नहीं हो पायी बल्कि विपक्ष तक अपरोक्ष में धमकियां दी गयी। आज सुक्खु सरकार विरासत में मिली इस वस्तुस्थिति से बाहर निकल कर व्यवस्था परिवर्तन तभी कर पायेगी यदि वरीयता और नियम कानूनों को अभिमान दे पायी अन्यथा यह सिर्फ कागजी दावा होकर रह जायेगा।

उर्दू के सबसे पहले शायर को आप कितना जानते हैं?

गौतम चौधरी

हम बात अपने शीर्षक से ही प्रारंभ करते हैं। मसलन, उर्दू के पहले शायर, वली मोहम्मद वली को हमारी पीढ़ी कितना जानती है, इस पर पड़ताल करने की जरूरत है। शायद हमारे पाठकों को यह भी पता नहीं होगा कि जब गुजरात में हिन्दुत्व के नए वर्जन का प्रयोग चल रहा था तो वली की मजार को जमींनदोज कर दिया गया। किन लोगों ने किया, पता नहीं लेकिन वली आज भी जिंदा हैं, उर्दू शेरोशायरी में। दूसरी बात यह है कि उर्दू के रहनुमाओं ने आस्था और पांथिक सोच के आधार पर पाकिस्तान की परिकल्पना प्रस्तुत करने वाले मोहम्मद इकबाल को तो अल्लामा बना दिया और उनके जन्मदिन को उर्दू दिवस के रूप में मनाने लगे लेकिन वली को भुला दिया, जिन्होंने उर्दू जुबान को बहरो से आबद्ध किया, ठेठ बोली को साहित्य का दर्जा दिला दिया। आइए आज हम इसी विषय पर चर्चा करते हैं।

भारतीय उपमहाद्वीप के शुरुआती शास्त्रीय उर्दू शायरों में वली का नाम सबसे बुलंद है। वली को उर्दू शायरी के जन्मदाता के तौर पर भी जाना जाता है। उनकी पैदाइश 1667 में मौजूदा महाराष्ट्र सूबे के औरंगाबाद शहर में हुई। यही कारण है कि उन्हें वली दकनी यानी दक्षिणी और वली औरंगाबादी भी कहा जाता है। वली का एक नाम वली गुजराती भी है। दरअसल, वली का अंतिम पड़ाव गुजरात का अहमदाबाद शहर था। उनकी मृत्यु अहमदाबाद में ही हुई। इस वजह से उन्हें वली गुजराती के नाम से भी पहचाना जाता है।

कहा जाता है कि वली दकनी से पहले हिंदुस्तानी शायरी फारसी में हुआ करती थी। उनकी शायरी के खयाल और अंदाज पर सादी, जमी और खाकानी जैसे फारसी के उस्तादों की छाप साफ नजर आती थी। वली ने ही पहली बार शायरी के लिए खालिस हिंदुस्तानी जबान उर्दू की बेशुमार गुंजाइशों और दिलकश खूबसूरती का पता दिया। वली ही थे, जिन्होंने न सिर्फ उर्दू में गजलें लिखने की शुरुआत की बल्कि इसी शीरीं जबान में अपना दीवान भी रचा। वली ने न सिर्फ शायरी के लिए भारतीय जबान और रस्मुल खत (लिपि) ''रेख्ता'' (उर्दू का पुराना नाम) को चुना, बल्कि उन्होंने भारतीय मुहावरे, भारतीय खयाल (कल्पना) और इसी मुल्क की थीम को भी अपने कलाम की बुनियाद बनाया। इस तरह मुकामी अवाम उर्दू शायरी से जुड़ गई।

वली को सफर करना बेहद पसंद था और वो इसे सीखने का एक जरिया मानते थे। 1700 में अपनी गजलों के दीवान के साथ जब वो दिल्ली पहुंचे, तो शुमाली (उत्तरी) भारत के अदबी हल्कों में एक हलचल पैदा हो गई। जौक, सौदा और मीर तकी मीर जैसे महान उर्दू शायर वली की रवायत को अपनाया। उस दौर में सबको समझ आने वाली उर्दू जबान में उनकी आसान और बामानी शायरी ने सबका दिल जीत लिया। दरअसल, वली का दिल्ली पहुंचना उर्दू गजल की पहचान, तरक्की और फैलाव की शुरुआत के तौर पर देखा जाता है। यह उर्दू जबान का वह दौर है जब वह भाषा बनने की दिशा में मजबूत छलांग लगाया।

एक ओर वली ने जहां शायराना इजहार के जरिए भारतीय जुबान की मिठास और मालदारी से वाकफि कराया, वहीं फारसी के जोश और मजबूती को भी कायम रखा, जिसका उन्होंने अपनी नज्मों में बखूबी इस्तेमाल किया। वली को शायरी की उस जदीद (आधुनिक) जबान का मेमार (शिल्पी) कहा जाना अतिशयोक्ति नहीं होगी, जो हिंदी और फारसी अल्फाजों का बेहतरीन मिश्रण है।

1707 में वली मोहम्मद वली का अहमदाबाद में इंतकाल हुआ और वहीं उन्हें दफना दिया गया। 2002 के मनहूस कौमी दंगों के दौरान दंगाइयों ने वली दकनी के मजार को तहस–नहस कर दिया, जो शहर के पुलिस कमिश्नर के दफ्तर के बाहर मौजूद थी। मगर अब वहां वली दकनी की मजार का कोई नामोनिशान नहीं है। चलो मजार में न सही हिन्दवी जबान में तो वली आज भी हमारे बीच हैं।

वली दकनी उर्दू के पहले शायर तो थे ही, जिन्होंने शायरी के हर रूप में अपने कमाल का मुजाहिरा किया। इसके अलावा मसनवी, कसीदा, मुखम्मा और रुबाई में भी उन्होंने हाथ आजमाया, मगर गजल उनकी खासियत थी। वली की पसंदीदा थीम इश्क और मोहब्बत थी। इसमें सूफियाना और दुनियावी, दोनों ही तरह का इश्क शुमार था। मगर उनकी शायरी में हमें ज्यादानजर खुशनुमा इकरार और मंजूरी आती है। इसके बरअक्स उदासी, मायूसी और शिकायत कुछ कम ही महसूस होती है। वली इस मामले में भी पहले उर्दू शायर थे, जिसने उस दौर के चलन के खिलाफ जाकर आदमी के नजरिए से प्यार का इजहार करने की शुरुआत की।

इस महान साहित्यकार को तो मैं नमन करता हूं लेकिन एक प्रश्न मुझे बराकर परेशान करता है कि वली के नाम पर उर्दू दिवस क्यों नहीं, आखिर पाकिस्तान के व्याख्याकार मोहम्मद इकबाल के नाम यह तगमा क्यों? हमें विचार करना चाहिए। साथ ही भारत सरकार को इस दिशा में एक रणनीति बनाकर उर्दू की सियासत को नई दिशा देनी चाहिए।

एन.एस.एफ.डी.सी की सावधि ऋण योजना के लाभार्थी रमेश लाल परमार की सफलता की कहानी

मैं 32 वर्ष का हो गया था लेकिन बेरोज़गार था और अपने परिवार के अवश्य

खर्चों को पूरा करना मेरे लिए बेहद कठिन हो रहा था। उसी दौरान एक समाचार पत्र में मैंने राष्ट्रीय अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम की सावधि ऋण योजना के बारे में पढ़ा और ऋण के लिए आवेदन कर दिया। मुझे रू 1,33,000 का ऋण प्राप्त हुआ जिससे मैंने डेरी फ़ार्मिंग का व्यवसाय शुरू किया। अब मैं प्रतिमाह एक अच्छी आय अर्जित कर रहा हूँ और नियमित रूप से ऋण की मासिक किश्तों का भुगतान भी कर रहा हूँ। आय से होने वाले लाभ से मैंने प्रतीक जानवर के लिए पर्याप्त जगह के साथ 1 अस्थाई शेड भी तैयार कर लिया है। अब मेरा परिवार भी गाँव में एक अच्छी सामाजिक आर्थिक स्थिति का आनंद लेते हुए 1 आरामदायक जीवन जी रहा है। एन.एस.एफ.डी.सी जैसी कल्याणकारी योजना शुरू करने के लिए मैं और मेरा परिवार सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय की ऋणी है। जिन्होंने मेरे जैसे जाने कितने लोगों को स्वरोजगार करने का अवसर देते हुए आत्मनिर्भर बनाया है।

2022–23 में भारतीय अर्थव्यवस्था में 6.8% की वृद्धि होने का अनुमान:आरबीआई

आरबीआई ने रेपो रेट बढ़ाकर 6.25% किया

शिमला। दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के केंद्रीय बैंक ने नीतिगत रेपो दर को 35 आधार अंक बढ़ाकर 6.25 प्रतिशत करने का फैसला किया है। परिणामस्वरूप, स्थायी जमा सुविधा (एसडीएफ) दर 6.00 प्रतिशत और सीमांत स्थायी सुविधा (एमएसएफऋ दर और बैंक दर 6.50 प्रतिशत पर समायोजित हुई है। आरबीआई के यूट्यूब चैनल के माध्यम से आरबीआई का द्वैमासिक मौद्रिक नीति वक्तव्य देते हुए, गवर्नर डॉ. शक्तिकांत दास ने बताया कि मौद्रिक नीति समिति ने समायोजन को वापस लेने पर ध्यान केंद्रित करने का निर्णय लिया है, ताकि मुद्रास्फीति लक्ष्य के भीतर बनी रहे और विकास को समर्थन दिया जा सके।

मौद्रिक नीति के मूल कारण की व्याख्या करते हुए, आरबीआई गवर्नर ने कहा कि एमपीसी का विचार था कि मुद्रास्फीति की उम्मीदों को स्थिर रखने, मुद्रास्फीति निश्चित सीमा के भीतर बनाए रखने (मुख्य मुद्रास्फीति की दृढ़ता को तोड़ने और दूसरे दौर के प्रभावों को रोकने के लिए, सटीक मौद्रिक नीति कारवाई की आवश्यकता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि ये कार्य, भारतीय अर्थव्यवस्था की मध्यम अवधि की विकास संभावनाओं को मजबूत करेंगे।

2022-23 में भारतीय अर्थव्यवस्था की विकास दर 6.8 प्रतिशत रहने का अनुमान है

गवर्नर ने बताया कि चालू वित्त वर्ष 2022-23 में अर्थव्यवस्था में 6.8 प्रतिशत की दर से वृद्धि होने का अनुमान है, तीसरी तिमाही में 4.4 प्रतिशत और चौथी तिमाही में 4.2 प्रतिशत। 2023-24 की पहली तिमाही के लिए वास्तविक जीडीपी विकास दर 7.1 प्रतिशत और दूसरी तिमाही के लिए 5.9 प्रतिशत अनुमानित है। गवर्नर चाहते हैं कि हम इस बात पर ध्यान दें कि 2022-23 के लिए हमारे विकास अनुमान में इस संशोधन के बाद भी, भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक रहेगा।

मुद्रास्फीति के संबंध में, गवर्नर ने कहा कि मुख्य मुद्रास्फीति के 2022-23 में 6.7 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

गवर्नर ने निष्कर्षों को संक्षेप में इस प्रकार प्रस्तुत किया, भारत में सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि सहनशील बनी हुई है और मुद्रास्फीति के कम होने की उम्मीद है(लेकिन मुद्रास्फीति के खिलाफ लड़ाई खत्म नहीं हुई है।

भारतीय रुपये की कहानी, सहनीयता और स्थिरता गवर्नर ने इस वर्ष अमेरिकी डॉलर के मजबूत होने की बात कही, जिससे भारतीय रुपये (आईएनआर) सहित सभी प्रमुख वैश्विक मुद्राओं में बड़े पैमाने पर मूल्यह्रास हुआ। उन्होंने सूचित किया कि अमेरिकी डॉलर की मजबूती के इस प्रकरण के माध्यम से, आईएनआर अन्य मुद्राओं की तुलना में सबसे कम प्रभावित रही है। वास्तव में, आईएनआर, कुछ को छोड़कर अन्य सभी प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले मजबूत हुआ है। गवर्नर ने उल्लेख किया कि आईएनआर की कहानी, भारत की सहनीयता और स्थिरता की कहानी में से एक रही है।

गवर्नर ने बताया कि विदेशी मुद्रा भंडार बेहतर स्थिति में है और इसमें वृद्धि भी हुई है। यह 21 अक्तूबर, 2022 के 524.5 बिलियन अमेरिकी ड लर से बढ़कर 2 दिसंबर, 2022 को 561.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर का हो गया है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत का बाहरी ऋण अनुपात अंतरराष्ट्रीय मानकों से कम है।

गवर्नर ने चार अतिरिक्त उपायों की घोषणा की:

बैंकों को निवेश प्रबंधन में अतिरिक्त सुविधा मिली

बैंकों को 1 सितंबर, 2020 और 31 मार्च, 2022 के बीच प्राप्त वैधानिक तरलता अनुपात (एसएलआर) पात्र प्रतिभूतियों के लिए, 31 मार्च, 2023 तक शुद्ध मांग और समय देनदारियों (एनडीटीएल) की 22 प्रतिशत की परिपक्वता (एचटीएम) सीमा की विशेष छूट दी गई थी। अब 23 प्रतिशत की बढ़ी हुई एचटीएम सीमा को 31 मार्च, 2024 तक विस्तार देने का निर्णय लिया गया है। बैंकों को अब 1 सितंबर, 2020 से 31 मार्च, 2024 के बीच अधिग्रहित प्रतिभूतियों को बढ़ी हुई एचटीएम सीमा में शामिल करने की अनुमति होगी। इससे बैंकों को अपने निवेश पोर्टफोलियो के प्रबंधन में और सुविधा मिलेगी।

यूपीआई और मजबूत हुआ

सिंगल-ब्लॉक-एंड-मल्टीपल -डेबिट कार्यक्षमता शुरू करके यूपीआई की क्षमताओं को और बढ़ाया जाएगा। यह सुविधा ग्राहक को विशिष्ट उद्देश्यों के लिए अपने खाते में धनराशि बनाये रखने में सक्षम करेगी, जिसे जब भी जरूरत हो, डेबिट किया जा सकेगा। इससे रिटेल डायरेक्ट प्लेटफॉर्म के साथ-साथ ई-कॉमर्स लेनदेन सहित प्रतिभूतियों में निवेश के लिए भुगतान करने में आसानी होगी।

भारत बिल भुगतान प्रणाली (बीबीपीएस) का दायरा व्यापक हुआ

बीबीपीएस का दायरा बढ़ाया जा रहा है, ताकि भुगतान और संग्रह की सभी श्रेणियों, आवर्ती और गैर-आवर्ती दोनों तथा सभी श्रेणियों के बने बिलों (व्यवसायों और व्यक्तियों) को शामिल किया जा सके। यह बीबीपीएस प्लेटफॉर्म को व्यक्तियों और व्यवसायों के व्यापक समूह के लिए सुलभ बना देगा, जो पारदर्शी भुगतान अनुभव से लाभ उठा सकते हैं, जिससे उन्हें धन तक तेजी से पहुंच प्राप्त होगी और उनकी दक्षता में सुधार होगा।

अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र (आईएफ़एससी) में सोने की बचाव-व्यवस्था

भारत में निवासी संस्थाओं को वर्तमान में विदेशी बाजारों में सोने की कीमत के जोखिम के प्रति अपने जोखिम के बचाव की अनुमति नहीं है। इन संस्थाओं को अपने सोने के जोखिमों के मूल्य जोखिम को कम करने के लिए अधिक सुविधाएँ प्रदान करने की दृष्टि से, निवासी संस्थाओं को अब मान्यता प्राप्त आधार पर अपने सोने की कीमत के जोखिम से बचाव करने की अनुमति दी जाएगी।

आईएफ़एससी में एक्सचेंज

इस उपाय से सोने के आयातकों/निर्यातकों को लाभ होगा जैसे आभूषण निर्माता और उद्योग, जो सोने का उपयोग, मध्यवर्ती या कच्चे माल के रूप में करते हैं।

'भारत की जी20 अध्यक्षता हमें एक ऐतिहासिक अवसर प्रदान करती है'

गवर्नर ने हमारे देश की दीर्घकालिक क्षमता, विशेष रूप से हरित ऊर्जा स्रोत, आपूर्ति श्रृंखला और लोजिस्टिक्स की पुन:संरचना, उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना, डिजिटल बैंकिंग और वित्तीय सेवा और नवाचार तकनीक को बेहतर बनाने के प्रति काम करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला और कहा कि ये क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए अपार अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि भारत की जी20 अध्यक्षता, हमें अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र में बड़ी भूमिका निभाने का ऐतिहासिक अवसर प्रदान करती है। हमारे अध्यक्षता की थीम है- 'वसुधैव कुटुम्बकम', जो सार्वभौमिक कल्याण के लिए वैश्विक सहयोग से जुड़ी हमारी दृष्टि को दर्शाता है। गवर्नर ने कहा कि हमें आशावादी बने रहना चाहिए और गांधीजी के निम्नलिखित शब्दों से प्रेरणा लेनी चाहिए: 'कोई यह न सोचें कि यह असंभव है, क्योंकि यह कठिन है। यह सर्वोच्च लक्ष्य है और इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि इसे प्राप्त करने के लिए उच्चतम प्रयास आवश्यक हैं।'

जी20 भारत में एल20: श्रमिक वर्ग के लिए कार्यरत

हिरण्मय पंड्या
अध्यक्ष, भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस)और श्रम-20 के अध्यक्ष

कोविड-19 महामारी ने हमें वैश्विक जनस्वास्थ्य के क्षेत्र में चुनौतियों और कमियों के प्रति सचेत किया है। महामारी के सदमे ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों को समान रूप से प्रभावित किया। वैज्ञानिक समुदाय, स्वास्थ्यकर्मियों, नीति निर्माताओं, जागरूक नागरिकों के अथक और सहयोग से जुड़े प्रयासों के कारण, हम अब काफी हद तक इससे उबर चुके हैं। हालांकि, दुनिया भर कुछ घटनाक्रमों, जैसे मुद्रास्फीति की उच्च दर और रूस-यूक्रेन संघर्ष, के कारण स्थितियों के सामान्य होने में बाधायें उत्पन्न हुई हैं। श्रमिकों और कंपनियों के कुछ समूहों पर अनुपात से अधिक कुप्रभाव के कारण श्रम बाजार की असमानताओं में भी वृद्धि हुई है, जिसने विकसित तथा विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के बीच अंतर को और बढ़ाया है। इसके साथ ही, सरकारों और नागरिक समाज के समन्वित प्रयासों ने संसाधनों के समान वितरण के लिए एक सेतु का काम किया है। उदाहरण के लिए, सामाजिक सुरक्षा पर विशेष ध्यान से, खासकर लॉकडाउन अवधि के दौरान, लोगों को इस कठिन समय का मुकाबला करने में मदद मिली। यह उन श्रमिकों के लिए भी सहायक था, जिनकी या तो नौकरी चली गई थी या उन्हें वेतन में कटौती का सामना करना पड़ रहा था। सरकार और नागरिक समाज के बीच यह सामंजस्य, न केवल संकट को कम करने में सहायक सिद्ध हुआ, बल्कि इसने नीतिगत योजनायें भी तैयार की, जो दीर्घकालिक राहत प्रदान करने में सफल रहीं।

हालांकि, अभी भी बहुत कुछ किया जाना शेष है। भारत की जी20 अध्यक्षता(स्थिति का जायजा लेने, इन चुनौतियों की गंभीरता का आकलन करने और राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हमारी प्रतिबद्धताओं के नवीनीकरण का अवसर प्रदान करती है। नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, एक मजबूत सुधार के बावजूद, वैश्विक स्तर पर काम के घंटों की संख्या, पूर्व-कोविड स्तरों से 1.5 प्रतिशत नीचे बनी हुई है। यह लगभग 40 मिलियन पूर्णकालिक नौकरियों की हानि के बराबर है। इसके अतिरिक्त, अंतर्राष्ट्रीय श्रम बाजार में भी भिन्नताएं बढ़ रहीं हैं। उदाहरण के लिए, सेवा प्रदाता और सेल्स जैसे 'निम्न और मध्यम कुशल' नौकरियों की तुलना में 'उच्च कुशल, उच्च भुगतान वाले'व्यवसायों में मजबूत वापसी हुई है। इन घटनाक्रमों से असमानता प्रत्यक्ष रूप से बढ़ी है तथा गरीब एवं वंचित समुदाय(और गरीब हो रहे हैं तथा हाशिए पर जाने के लिए बाध्य हैं। महामारी के कारण देखभाल (कार्य)अर्थव्यवस्था पर भी बहुत प्रभाव पड़ा, जिसका बोझ महिलाओं को अधिक अनुपात में सहन करना पड़ा। इन मुद्दों की पहचान करना एक महत्वपूर्ण कदम है, जो हमें संरचनात्मक और प्रणालीगत समाधानों पर रणनीतिक रूप से विचार-विमर्श करने की सुविधा देगा तथा जो त्वरित और समावेशी वापसी (रिकवरी) के लिए उत्प्रेरक के रूप में कार्य करेंगे। इस संदर्भ में, कारवाई- उन्मुख लक्ष्यों के आधार पर काम करना समय की मांग है-एक ऐसा अवसर, जो जी 20 सभी हितधारकों को प्रदान करता है।

जी-20 की बैठक आम सहमति बनाने और उन मुद्दों पर मिलकर काम करने के लिए बेहद उपयुक्त समय पर हो रही है, जो न केवल सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने, बल्कि सभी क्षेत्रों को सहनीय बनाने के लिए भी आवश्यक हैं। यह वैश्विक श्रम बाजार के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, जहां बदलती कार्यप्रणाली और आर्थिक अस्थिरता, श्रमिक वर्ग को कमजोर बनाती है। इन उद्देश्यों को देखते हुए, श्रम-20 (एल-20) सभी ट्रेड यूनियनों के लिए अंतर्राष्ट्रीय श्रम मुद्दों और सामाजिक श्रम आंदोलनों पर विचार-विमर्श करने का एक मंच बन जाएगा तथा यह मंच बाद में उन समाधानों को सामने रखेगा, जिन पर राष्ट्रीय संदर्भों में कारवाई की जा सकती है।

एल-20 के विशेष ध्यान का एक और महत्वपूर्ण क्षेत्र है - दुनिया भर में श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा और संरक्षा का कवरेज बढ़ाना। सामाजिक सुरक्षा एक गतिशील अवधारणा है, जिसके स्वरूप और जिसकी परिभाषा में समय के साथ बदलाव हुए हैं। तेजी से हुए तकनीकी बदलावों ने सामाजिक सुरक्षा और संरक्षा के नए आयामों का पता लगाना आवश्यक बना दिया है। 'गिग एंड प्लेटफॉर्म वर्क' की शुरुआत के साथ, कंपनियों की जीवन-अवधि छोटी होती जा रही है और एक नए प्रकार का नियोक्ता-कर्मचारी संबंध विकसित हो रहा है, जिसके बारे जानकारी व समझ अभी भी प्रारंभिक चरण में है। रोजगार से जुड़े सामाजिक सुरक्षा के नियम, जो पहली औद्योगिक क्रांति के बाद उभरे थे और जो दूसरी औद्योगिक क्रांति के दौरान परिपक्व हुए, उन्हें उद्योग 4.0 के युग में फिर से लिखे जाने की आवश्यकता है।

जी 20 के विभिन्न कार्य और विचार-विमर्श समूहों ने उपरोक्त मुद्दों पर चर्चा की है। हाल ही में बाली, इंडोनेशिया के जी20 'राजनेताओं की घोषणा' में तथा अन्य दस्तावेजों में भी इनका उल्लेख किया गया है। इन महत्वपूर्ण चिंताओं पर ध्यान देने और कारवाई योग्य लक्ष्यों को रेखांकित करने के लिए जी20 के तहत नीति वक्तव्य और फ्रेमवर्क विकसित किए गए हैं। कोविड-19 महामारी से रिकवरी को बढ़ावा देने के लिए एल-20 के प्रतिनिधि समग्र रणनीतियों की अवधारणा को अंतिम रूप देने के उद्देश्य से बैठक में भाग लेंगे। श्रमिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक व्यवधानों से भी संरक्षित करने की आवश्यकता है। इस संदर्भ में(आगे की कार्ययोजना, अब तक की उपलब्धियों की पड़ताल करने और उन मुद्दों की पहचान करने से जुड़ी है, जहां अधिक प्रयास किए जाने की आवश्यकता है। प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद, शिक्षा और कौशल स्तर, महिला श्रम बल भागीदारी, सामाजिक सुरक्षा कवरेज, जनसांख्यिकीय चरण आदि के सन्दर्भ में देशों के बीच भारी अंतर मौजूद है। हम विभिन्न अनुभवों के साथ यहां आते हैं और यही हमारी ताकत है। वैश्विक कौशल अंतर, रोजगार के नए रूप, गिग और प्लेटफॉर्म अर्थव्यवस्था का उदय, प्रभावी सामाजिक सुरक्षा का विस्तार, सामाजिक सुरक्षा का स्थायी वित्तपोषण और अंतर्राष्ट्रीय श्रम बल गतिशीलता के मुद्दों पर हम सभी को कुछ योगदान देना है।

इन मुद्दों के बीच, जी20 प्रक्रियाओं और एल-20 जैसे विचार-विमर्श समूहों की भागीदारी को आपस में जोड़ने वाले घटक, श्रम कल्याण की प्रगति से जुड़ी प्रतिबद्धता को सशक्त बना रहे हैं और इन्हें 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' के विज़न में निहित समानता और सामाजिक न्याय के सिद्धांतों से मार्गदर्शन प्राप्त हो रहा है।

हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव-2022 के परिणाम

शिमला/शैल। हिमाचल प्रदेश के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस के 40 भाजपा के 25 और 3 निर्दलीय उम्मीदवारों नेजीत हासिल की है। 68 विधानसभा क्षेत्रों से जीते प्रत्याशियों का विवरण:

1-चुराह (अ.जा.) विधानसभा क्षेत्र

1-चुराह (अ.जा.) निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के हंस राज को विजयी घोषित किया गया है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी आई.एन.सी. के उम्मीदवार यशवंत सिंह को 2642 मतों के अंतर से पराजित किया।

प्रत्याशी को प्राप्त मत

क्र.सं.	उम्मीदवार का नाम	पार्टी सम्बद्धता	प्राप्त वोट
1	यशवंत सिंह	आईएनसी	29,453
2	हंस राज	भाजपा	32,095
	नोटा		394

2-भरमौर (अ.जा.) विधानसभा क्षेत्र

2-भरमौर (अ.जा.) निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के डॉ. जनक राज को विजयी घोषित किया गया है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी आई.एन.सी. के ठाकुर सिंह भरमौरी को 5172 मतों के अंतर से पराजित किया।

प्रत्याशी को प्राप्त मत

क्र.सं.	उम्मीदवार का नाम	पार्टी सम्बद्धता	प्राप्त वोट
1.	डॉ. जनक राज	(भाजपा)	30336
2.	ठाकुर सिंह भरमौरी	(आई.एन.सी.)	25164
	नोटा		343

3-चम्बा विधानसभा क्षेत्र

3-चम्बा निर्वाचन क्षेत्र से आई.एन.सी. के नीरज नैयर को विजयी घोषित किया गया है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी भाजपा की नीलम नैयर को 7782 मतों के अंतर से पराजित किया।

प्रत्याशी को प्राप्त मत

क्र.सं.	उम्मीदवार का नाम	पार्टी सम्बद्धता	प्राप्त वोट
1	नीरज नैयर	कांग्रेस	32783
2	नीलम नैयर	भाजपा	25001
	नोटा		539

4. डलहौजी विधानसभा क्षेत्र

4-डलहौजी निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के धविंदर सिंह को विजयी घोषित किया गया है। उन्होंने अपनी निकटतम प्रतिद्वंदी आई.एन.सी. की आशा कुमारी को 9918 मतों के अंतर से पराजित किया।

प्रत्याशी को प्राप्त मत

क्र.सं.	उम्मीदवार का नाम	पार्टी सम्बद्धता	प्राप्त वोट
1.	आशा कुमारी	कांग्रेस	23570
2.	धविंदर सिंह	भाजपा	33488
	नोटा		382

5-भटियात विधानसभा क्षेत्र

5-भटियात निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के आईएनसी के कुलदीप सिंह पठानिया को विजयी घोषित किया गया है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी भाजपा के बिक्रम सिंह को 1567 मतों के अंतर से पराजित किया।

प्रत्याशी को प्राप्त मत

क्र.सं.	उम्मीदवार का नाम	पार्टी सम्बद्धता	प्राप्त वोट
1.	कुलदीप सिंह पठानिया	आईएनसी	25989
2.	बिक्रम सिंह	भाजपा	24422
	नोटा		468

6-नूरपुर विधानसभा क्षेत्र

6-नूरपुर निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के रणबीर सिंह को विजयी घोषित किया गया है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी आई.एन.सी. के अजय महाजन को 18752 मतों के अंतर से पराजित किया।

प्रत्याशी को प्राप्त मत

क्र.सं.	उम्मीदवार का नाम	पार्टी सम्बद्धता	प्राप्त वोट
1.	अजय महाजन	आई.एन.सी.	25380
2.	रणबीर सिंह	भाजपा	44132
	नोटा		302

7-इन्दौरा(अ.जा.) विधानसभा क्षेत्र

7-इन्दौरा(अ.जा.) निर्वाचन क्षेत्र से आई.एन.सी. क प्रत्याशी मलेंदर राजन को विजयी घोषित किया गया। अपने निकटतम प्रतिद्वंदी भाजपा की रीता देवी को 2250 मतों के अंतर से पराजित किया।

प्रत्याशी को प्राप्त मत

क्र.सं.	उम्मीदवार का नाम	पार्टी सम्बद्धता	प्राप्त वोट
1.	रीता देवी	भाजपा	28547
2.	मलेंदर राजन	आई.एन.सी	30797
	नोटा		482

8-फतेहपुर विधानसभा क्षेत्र

8-फतेहपुर निर्वाचन क्षेत्र से आई.एन.सी. के भवानी सिंह पठानिया को विजयी घोषित किया गया है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी भाजपा के राकेश पठानिया को 7354 मतों के अन्तर से पराजित किया।

प्रत्याशी को प्राप्त मत

क्र.सं.	उम्मीदवार का नाम	पार्टी सम्बद्धता	प्राप्त वोट
1.	भवानी सिंह पठानिया	आईएनसी.	33238
2.	राकेश पठानिया	भाजपा	25884
	नोटा		185

9-ज्वाली विधानसभा क्षेत्र

9-ज्वाली निर्वाचन क्षेत्र से आई.एन.सी. के चंद्र कुमार को विजयी घोषित किया गया है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी भाजपा के संजय गुलेरिया को 3031 मतों के अंतर से पराजित किया।

प्रत्याशी को प्राप्त मत

क्र.सं.	उम्मीदवार का नाम	पार्टी सम्बद्धता	प्राप्त वोट
1.	चंद्र कुमार	आई.एन.सी.	38243
2.	संजय गुलेरिया	भाजपा	35212
	नोटा		373

10-देहरा विधानसभा क्षेत्र

10-देहरा निर्वाचन क्षेत्र से निर्दलीय प्रत्याशी होशियार सिंह को विजयी घोषित किया गया है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी आई.एन.सी. के डॉ. राजेश शर्मा को 3877 मतों के अंतर से पराजित किया।

प्रत्याशी को प्राप्त मत

क्र.सं.	उम्मीदवार का नाम	पार्टी सम्बद्धता	प्राप्त वोट
1.	होशियार सिंह	निर्दलीय	22997
2.	डॉ. राजेश शर्मा	आई.एन.सी.	19120
	नोटा		472

11-जसवां परागपुर विधानसभा क्षेत्र

11-जसवां परागपुर निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के बिक्रम सिंह को विजयी घोषित किया गया है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी आई.एन.सी. के सुरेंद्र सिंह मनकोटिया को 1789 मतों के अंतर से पराजित किया।

प्रत्याशी को प्राप्त मत

क्र.सं.	उम्मीदवार का नाम	पार्टी सम्बद्धता	प्राप्त वोट
1.	बिक्रम सिंह	भाजपा	22658
2	सुरेन्द्र सिंह मनकोटिया	आईएनसी	20869
	नोटा		259

12-ज्वालामुखी विधानसभा क्षेत्र

12-ज्वालामुखी निर्वाचन क्षेत्र से आई.एन.सी. के संजय रत्न को विजयी घोषित किया गया है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी भाजपा के रविंद्र सिंह को 6404 मतों के अंतर से पराजित किया।

प्रत्याशी को प्राप्त मत

क्र.सं.	उम्मीदवार का नाम	पार्टी सम्बद्धता	प्राप्त वोट
1.	संजय रत्न	आई.एन.सी.	27827
2.	रविंद्र सिंह	भाजपा	21423
	नोटा		201

13-जयसिंहपुर (अ.जा.) विधानसभा क्षेत्र

13-जयसिंहपुर (अ.जा.) निर्वाचन क्षेत्र से आई.एन.सी. के यादवेंद्र गोमा को विजयी घोषित किया गया है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी भाजपा के रविंदर कुमार धीमान को 2696मतों के अंतर से पराजित किया।

प्रत्याशी को प्राप्त मत

क्र.सं.	उम्मीदवार का नाम	पार्टी सम्बद्धता	प्राप्त वोट
1	यादविन्दर गोमा	आई.एन.सी.	28058
2.	रविन्द्र कुमार धीमान	भाजपा	25362
	नोटा		298

14-सुलह विधानसभा क्षेत्र

14-सुलह निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के विपिन परमार को विजयी घोषित किया गया है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी आजाद प्रत्याशी जगजीवन पाल को 7112 मतों के अंतर से पराजित किया।

प्रत्याशी को प्राप्त मत

क्र.सं.	उम्मीदवार का नाम	पार्टी सम्बद्धता	प्राप्त वोट
1.	विपिन सिंह परमार	भाजपा	36670
2.	जगजीवन पाल	आजाद	29558
	नोटा		394

15-नगरोटा विधानसभा क्षेत्र

15-नगरोटा निर्वाचन क्षेत्र से आई.एन.सी. के आर.एस. बाली को विजयी घोषित किया गया है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी भाजपा के अरुण कुमार को 15892 मतों के अंतर से पराजित किया।

प्रत्याशी को प्राप्त मत

क्र.सं.	उम्मीदवार का नाम	पार्टी सम्बद्धता	प्राप्त वोट
1.	अरुण कुमार	भाजपा	26187
2.	आर.एस.बाली	आई.एन.सी.	42079
	नोटा		385

16-कांगड़ा विधानसभा क्षेत्र

16-कांगड़ा निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के पवन कुमार काजल को विजयी घोषित किया गया है। उन्होंने निकटतम प्रतिद्वंदी आई.एन.सी. के सुरेंद्र कुमार को 19834 मतों के अंतर से पराजित किया।

प्रत्याशी को प्राप्त मत

क्र.सं.	उम्मीदवार का नाम	पार्टी सम्बद्धता	प्राप्त वोट
1.	पवन कुमार काजल	भाजपा	35239
2.	सुरेंद्र कुमार	आई.एन.सी.	15405
	नोटा		464

17-शाहपुर विधानसभा क्षेत्र

17-शाहपुर निर्वाचन क्षेत्र से आई.एन.सी. के केवल सिंह पठानिया को विजय घोषित किया गया है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी भाजपा की सरवीण चौधरी 12243 मतों के अंतर से पराजित किया।

प्रत्याशी को प्राप्त मत

क्र.सं.	उम्मीदवार का नाम	पार्टी सम्बद्धता	प्राप्त वोट
1.	केवल सिंह पठानिया	आई.एन.सी.	36603
2.	सरवीण चौधरी	भाजपा	24360
	नोटा		519

18-धर्मशाला विधानसभा क्षेत्र

18-धर्मशाला निर्वाचन क्षेत्र से आई.एन.सी. के सुधीर शर्मा को विजयी घोषित किया गया है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी भाजपा के राकेश कुमार को 3285 मतों के अंतर से पराजित किया।

प्रत्याशी को प्राप्त मत

क्र.सं.	उम्मीदवार का नाम	पार्टी सम्बद्धता	प्राप्त वोट
1.	सुधीर शर्मा	आई.एन.सी.	27323
2.	राकेश कुमार	भाजपा	24038
	नोटा		438

19-पालमपुर विधानसभा क्षेत्र

19-पालमपुर निर्वाचन क्षेत्र से आई.एन.सी. के आशीष बुटेल को विजयी घोषित किया गया है। उन्होंने अपनी निकटतम प्रतिद्वंदी भाजपा के त्रिलोक कपूर को 5328 मतों के अंतर से पराजित किया।

प्रत्याशी को प्राप्त मत

क्र.सं.	उम्मीदवार का नाम	पार्टी सम्बद्धता	प्राप्त वोट
1.	आशीष बुटेल	आई.एन.सी.	30874
2.	त्रिलोक कपूर	भाजपा	25546
	नोटा		382

20-बैजनाथ (अ.जा.) विधानसभा क्षेत्र

20-बैजनाथ (अ.जा.) निर्वाचन क्षेत्र से आई.एन.सी. के किशोरी लाल को विजयी घोषित किया गया है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी भाजपा के मुल्ख राज को 3446 मतों के अंतर से पराजित किया।

प्रत्याशी को प्राप्त मत

क्र.सं.	उम्मीदवार का नाम	पार्टी सम्बद्धता	प्राप्त वोट
1.	किशोरी लाल	आई.एन.सी.	29338
2.	मुलखराज	भाजपा	25892
	नोटा		669

21-जिला लाहौल-स्पिति विधानसभा क्षेत्र

21-लाहौल स्पिति निर्वाचन क्षेत्र से आई.एन.सी. के रवि कुमार को विजयी घोषित किया गया है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी भाजपा के डॉ. राम लाल मारकंडा को 1616 मतों के अंतर से पराजित किया।

प्रत्याशी को प्राप्त मत

क्र.सं.	उम्मीदवार का नाम	पार्टी सम्बद्धता	प्राप्त वोट
1.	रवि ठाकुर	आई.एन.सी.	9948
2.	डॉ. राम लाल मारकण्डेय	भाजपा	8332
	नोटा		67

22- मनाली विधानसभा क्षेत्र

22-मनाली निर्वाचन क्षेत्र से आई.एन.सी. के भुवनेश्वर गौड को विजयी घोषित किया गया है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी भाजपा के गोविंद सिंह ठाकुर को 2957 मतों के अंतर से पराजित किया।

प्रत्याशी को प्राप्त मत

क्र.सं.	उम्मीदवार का नाम	पार्टी सम्बद्धता	प्राप्त वोट
1.	गोबिन्द सिंह ठाकुर	भाजपा	26935
2.	भुवनेश्वर गौड	आई.एन.सी.	29892
	नोटा		238

23- कुल्लू विधानसभा क्षेत्र

23-कुल्लू निर्वाचन क्षेत्र से आई.एन.सी. के सुंदर सिंह ठाकुर को विजय घोषित किया गया है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी भाजपा के नरोतम सिंह को 4103 मतों के अंतर से पराजित किया।

प्रत्याशी को प्राप्त मत

क्र.सं.	उम्मीदवार का नाम	पार्टी सम्बद्धता	प्राप्त वोट
1.	नरोतम सिंह	भाजपा	26183
2.	सुन्दर सिंह ठाकुर	आई.एन.सी.	30286
	नोटा		346

24-बंजार विधानसभा क्षेत्र

24-बंजार निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के सुरेंद्र शौरी को विजयी घोषित किया गया है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी आई.एन.सी. के खीमी राम को 4334 मतों के अंतर से पराजित किया।

प्रत्याशी को प्राप्त मत

क्र.सं.	उम्मीदवार का नाम	पार्टी सम्बद्धता	प्राप्त वोट
1.	खीमी राम	आई.एन.सी.	20704
2.	सुरेंद्र शौरी	भाजपा	25038
	नोटा		492

25-आनी (अ.जा) विधानसभा क्षेत्र

25-आनी (अ.जा) निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के लोकेंद्र कुमार को विजयी घोषित किया गया है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी आजाद परस राम को 6778 मतों के अंतर से पराजित किया।

प्रत्याशी को प्राप्त मत

क्र.सं.	उम्मीदवार का नाम	पार्टी सम्बद्धता	प्राप्त वोट
1.	परस राम	निर्दलीय	17355
2.	लोकेंद्र कुमार	भाजपा	24133
	नोटा		520

26-करसोग (अ.जा.) विधानसभा क्षेत्र

26-करसोग (अ.जा.) निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के दीप राज को विजयी घोषित किया गया है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी आई.एन.सी. के महेश राज को 10534 मतों के अंतर से पराजित किया।

प्रत्याशी को प्राप्त मत

क्र.सं.	उम्मीदवार का नाम	पार्टी सम्बद्धता	प्राप्त वोट
1.	दीप राज	भाजपा	34512
2.	महेश राज	आई.एन.सी.	23978
	नोटा		363

27-सुन्दरनगर विधानसभा क्षेत्र

27-सुन्दरनगर निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के राकेश कुमार को विजयी घोषित किया गया है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी आई.एन.सी. के सोहन लाल को 8125 मतों के अंतर से पराजित किया।

प्रत्याशी को प्राप्त मत

क्र.सं.	उम्मीदवार का नाम	पार्टी सम्बद्धता	प्राप्त वोट
1.	सोहन लाल	आई.एन.सी.	21307
2.	राकेश कुमार	भाजपा	29432
	नोटा		211

28-नाचन (अ.जा.) विधानसभा क्षेत्र

28-नाचन(अ.जा.) निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के विनोद कुमार को विजयी घोषित किया गया है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी आई.एन.सी. के नरेश कुमार को 8956 मतों के अंतर से पराजित किया।

प्रत्याशी को प्राप्त मत

क्र.सं.	उम्मीदवार का नाम	पार्टी सम्बद्धता	प्राप्त वोट
1.	नरेश कुमार	आई.एन.सी.	24244
2.	विनोद कुमार	भाजपा	33200
	नोटा		456

29-सराज विधानसभा क्षेत्र

29-सराज निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के जय राम ठाकुर को विजयी घोषित किया गया है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी आई.एन.सी. के चेत राम को 38183 मतों के अंतर से पराजित किया।

प्रत्याशी को प्राप्त मत

क्र.सं.	उम्मीदवार का नाम	पार्टी सम्बद्धता	प्राप्त वोट
1.	जय राम ठाकुर	भाजपा	53562
2.	चेत राम	आई.एन.सी.	15379
	नोटा		292

30-द्रंग विधानसभा क्षेत्र

30-द्रंग निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के पूर्ण चंद को विजयी घोषित किया गया है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी आई.एन.सी. के कौल सिंह को 618 मतों के अंतर से पराजित किया।

प्रत्याशी को प्राप्त मत

क्र.सं.	उम्मीदवार का नाम	पार्टी सम्बद्धता	प्राप्त वोट
1.	पूर्ण चंद	भाजपा	36572
2.	कौल सिंह	आई.एन.सी.	35954
	नोटा		579

31-जोगिन्द्रनगर विधानसभा क्षेत्र

31-जोगिन्द्रगनर निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी प्रकाश प्रेम कुमार को विजयी घोषित किया गया है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी आई.एन.सी. के ठाकुर सुरेंद्र पाल को 4339 मतों के अंतर से पराजित किया।

प्रत्याशी को प्राप्त मत

क्र.सं.	उम्मीदवार का नाम	पार्टी सम्बद्धता	प्राप्त वोट
1.	ठाकुर सुरेंद्र पाल	आई.एन.सी.	29443
2.	प्रकाश प्रेम कुमार	भाजपा	33782
	नोटा		377

32-धर्मपुर विधानसभा क्षेत्र

32-धर्मपुर निर्वाचन क्षेत्र से आई.एन.सी. के चंद्र शेखर को विजयी घोषित किया गया है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी भाजपा के रजत ठाकुर को 3026 मतों के अंतर से पराजित किया।

प्रत्याशी को प्राप्त मत

क्र.सं.	उम्मीदवार का नाम	पार्टी सम्बद्धता	प्राप्त वोट
1.	चन्द्र शेखर	आई.एन.सी.	31063
2.	रजत ठाकुर	भाजपा	28037
	नोटा		216

33-मण्डी विधानसभा क्षेत्र

33-मण्डी निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के अनिल शर्मा को विजयी घोषित किया गया है। उन्होंने अपनी निकटतम प्रतिद्वंदी आई.एन.सी. की चंपा ठाकुर को 10006 मतों के अंतर से पराजित किया।

प्रत्याशी को प्राप्त मत

क्र.सं.	उम्मीदवार का नाम	पार्टी सम्बद्धता	प्राप्त वोट
1.	अनिल शर्मा	भाजपा	31303
2.	चम्पा ठाकुर	कांग्रेस	21297
	नोटा		448

34-बल्ह (अ.जा.) विधानसभा क्षेत्र

34-बल्ह (अ.जा.) निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के इंद्र सिंह को विजयी घोषित किया गया है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी आई.एन.सी. के प्रकाश चौधरी को 1307 मतों के अंतर से पराजित किया।

प्रत्याशी को प्राप्त मत

क्र.सं.	उम्मीदवार का नाम	पार्टी सम्बद्धता	प्राप्त वोट
1.	इन्द्र सिंह	भाजपा	31752
2.	प्रकाश चौधरी	आई.एन.सी.	30485
	नोटा		498

35-सरकाघाट विधानसभा क्षेत्र

शेष पृष्ठ 7 पर.........

हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव–2022 के परिणाम

35-सरकाघाट निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के दलीप ठाकुर को विजयी घोषित किया गया है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी आई.एन.सी. के पवन कुमार को 1807 मतों के अंतर से पराजित किया।

प्रत्याशी को प्राप्त मत

क्र.सं.	उम्मीदवार का नाम	पार्टी सम्बद्धता	प्राप्त वोट
1.	दलीप ठाकुर	भाजपा	27346
2.	पवन कुमार	आई.एन.सी.	25539
	नोटा		342

36-भोरंज (अ.जा.) विधानसभा क्षेत्र

36-भोरंज (अ.जा.) निर्वाचन क्षेत्र से आई.एन.सी. के सुरेश कुमार को विजयी घोषित किया गया है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी भाजपा के डॉ. अनिल धीमान को 60 मतों के अंतर से पराजित किया।

प्रत्याशी को प्राप्त मत

क्र.सं.	उम्मीदवार का नाम	पार्टी सम्बद्धता	प्राप्त वोट
1.	डॉ. अनिल धीमान	भाजपा	24719
2.	सुरेश कुमार	आई.एन.सी.	24779
	नोटा		293

37-सुजानपुर विधानसभा क्षेत्र

37-सुजानपुर निर्वाचन क्षेत्र से आई.एन.सी. के राजेंद्र सिंह राणा को विजयी घोषित किया गया है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी भाजपा के रणजीत सिंह राणा को 399 मतों के अंतर से पराजित किया।

प्रत्याशी को प्राप्त मत

क्र.सं.	उम्मीदवार का नाम	पार्टी सम्बद्धता	प्राप्त वोट
1.	राजेंद्र सिंह राणा	आई.एन.सी.	27679
2.	रणजीत सिंह राणा	भाजपा	27280
	नोटा		237

38-हमीरपुर विधानसभा क्षेत्र

38-हमीरपुर निर्वाचन क्षेत्र से आजाद प्रत्याशी आशीष शर्मा को विजयी घोषित किया गया है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी आई.एन.सी. के पुष्पेंद्र वर्मा को 12899 मतों के अंतर से पराजित किया।

प्रत्याशी को प्राप्त मत

क्र.सं.	उम्मीदवार का नाम	पार्टी सम्बद्धता	प्राप्त वोट
1.	आशीष शर्मा	आजाद	25916
2.	पुष्पेंद्र वर्मा	आई.एन.सी.	13017
	नोटा		246

39-बड़सर विधानसभा क्षेत्र

39-बड़सर निर्वाचन क्षेत्र से आई.एन.सी. के इंद्र दत्त लखनपाल को विजयी घोषित किया गया है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी भाजपा की माया शर्मा को 13752 मतों के अंतर से पराजित किया।

प्रत्याशी को प्राप्त मत

क्र.सं.	उम्मीदवार का नाम	पार्टी सम्बद्धता	प्राप्त वोट
1.	इन्द्रदत्त लखनपाल	आई.एन.सी.	30293
2.	माया शर्मा	भाजपा	16501
	नोटा		297

40-नादौन विधानसभा क्षेत्र

40-नादौन निर्वाचन क्षेत्र से आई.एन.सी. के सुखविंद्र सिंह को विजयी घोषित किया गया है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी भाजपा के विजय कुमार को 3363 मतों के अंतर से पराजित किया।

प्रत्याशी को प्राप्त मत

क्र.सं.	उम्मीदवार का नाम	पार्टी सम्बद्धता	प्राप्त वोट
1.	सुखविंद्र सिंह	आई.एन.सी.	36142
2.	विजय कुमार	भाजपा	32779
	नोटा		192

41-चिन्तपूर्णी (अ.जा.) विधानसभा क्षेत्र

41-चिन्तपूर्णी निर्वाचन क्षेत्र से आई.एन.सी. के प्रत्याशी सुदर्शन सिंह बबलू को विजयी घोषित किया गया है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी भाजपा के बलबीर सिंह को 4858 मतों के अंतर से पराजित किया।

प्रत्याशी को प्राप्त मत

क्र.सं.	उम्मीदवार का नाम	पार्टी सम्बद्धता	प्राप्त वोट
1.	बलबीर सिंह	भाजपा	27854
2.	सुदर्शन सिंह बबलू	आई.एन.सी.	32712
	नोटा		355

42-गगरेट विधानसभा क्षेत्र

42-गगरेट निर्वाचन क्षेत्र से आई.एन.सी. के चैतन्य शर्मा को विजयी घोषित किया गया है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी भाजपा के उम्मीदवार राजेश ठाकुर को 15685 मतों के अंतर से पराजित किया।

प्रत्याशी को प्राप्त मत

क्र.सं.	उम्मीदवार का नाम	पार्टी सम्बद्धता	प्राप्त वोट
1.	चैतन्य शर्मा	आई.एन.सी.	40767
2.	राजेश ठाकुर	भाजपा	25082
	नोटा		404

43-हरोली विधानसभा क्षेत्र

43-हरोली निर्वाचन क्षेत्र से आई.एन.सी. के मुकेश अग्निहोत्री को विजयी घोषित किया गया है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी भाजपा के राम कुमार को 9148 मतों के अंतर से पराजित किया।

प्रत्याशी को प्राप्त मत

क्र.सं.	उम्मीदवार का नाम	पार्टी सम्बद्धता	प्राप्त वोट
1.	मुकेश अग्निहोत्री	आई.एन.सी.	38652
2.	राम कुमार	भाजपा	29504
	नोटा		175

44-ऊना विधानसभा क्षेत्र

44-ऊना निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के सतपाल सिंह सत्ती को विजयी घोषित किया गया है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी आई.एन.सी. के सतपाल सिंह रायजादा को 1736 मतों के अंतर से पराजित किया।

प्रत्येक प्रत्याशी को प्राप्त मत

क्र.सं.	उम्मीदवार का नाम	पार्टी सम्बद्धता	प्राप्त वोट
1.	सतपाल सिंह सत्ती	भाजपा	33974
2.	सतपाल सिंह रायजादा	आई.एन.सी.	32238
	नोटा		240

45-कुटलैहड़ विधानसभा क्षेत्र

45-कुटलैहड़ निर्वाचन क्षेत्र से आई.एन.सी. के दवेंद्र कुमार को विजयी घोषित किया गया है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी भाजपा के वीरेंद्र कंवर को 7579 मतों के अंतर से पराजित किया।

प्रत्याशी को प्राप्त मत

क्र.सं.	उम्मीदवार का नाम	पार्टी सम्बद्धता	प्राप्त वोट
1.	वीरेन्द्र सिंह कंवर	भाजपा	29057
2.	दवेंद्र कुमार	आई.एन.सी.	36636
	नोटा		378

46-झण्डूता (अ.जा.) विधानसभा क्षेत्र

46-झण्डूता(अ.जा.)निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के जीत राम कटवाल को विजयी घोषित किया गया है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी आईएनसी के विवेक कुमार को 5799 मतों के अंतर से पराजित किया।

प्रत्याशी को प्राप्त मत

क्र.सं.	उम्मीदवार का नाम	पार्टी सम्बद्धता	प्राप्त वोट
1.	जीत राम कटवाल	(भाजपा)	28268
2.	विवेक कुमार	(आईएनसी)	22469
	नोटा		246

47-घुमारवीं विधानसभा क्षेत्र

47-घुमारवीं निर्वाचन क्षेत्र से आईएनसी के राजेश धर्माणी को विजयी घोषित किया गया है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी भाजपा के राजिन्द्र गर्ग को 5611 मतों के अंतर से पराजित किया।

प्रत्याशी को प्राप्त मत

क्र.सं.	उम्मीदवार का नाम	पार्टी सम्बद्धता	प्राप्त वोट
1.	राजेश धर्माणी	(भाजपा)	35378
2.	राजिन्द्र गर्ग	(आईएनसी)	29767
	नोटा		242

48-बिलासपुर विधानसभा क्षेत्र

48-बिलासपुर निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के त्रिलोक जम्वाल को विजयी घोषित किया गया है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी आईएनसी के बम्बर ठाकुर को 276 मतों के अंतर से पराजित किया।

प्रत्याशी को प्राप्त मत

क्र.सं.	उम्मीदवार का नाम	पार्टी सम्बद्धता	प्राप्त वोट
1.	त्रिलोक जम्वाल	(भाजपा)	30988
2.	बम्बर ठाकुर	(आईएनसी)	30712
	नोटा		270

49-श्री नैनादेवी जी विधानसभा क्षेत्र

49-श्री नैनादेवी जी निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के रणधीर शर्मा को विजयी घोषित किया गया है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी भाजपा के राम लाल ठाकुर को 171 मतों के अंतर से पराजित किया।

प्रत्याशी को प्राप्त मत

क्र.सं.	उम्मीदवार का नाम	पार्टी सम्बद्धता	प्राप्त वोट
1.	रणधीर शर्मा	(भाजपा)	29403
2.	राम लाल ठाकुर	(आईएनसी)	29232
	नोटा		225

50-अर्की विधानसभा क्षेत्र

50-अर्की निर्वाचन क्षेत्र से आईएनसी के संजय को विजयी घोषित किया गया है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी निर्दलीय राजेन्द्र को 4822 मतों के अंतर से पराजित किया।

प्रत्याशी को प्राप्त मत

क्र.सं.	उम्मीदवार का नाम	पार्टी सम्बद्धता	प्राप्त वोट
1.	संजय	(आईएनसी)	30897
2.	राजेन्द्र	(निर्दलीय)	26075
	नोटा		466

51-नालागढ़ विधानसभा क्षेत्र

51-नालागढ़ निर्वाचन क्षेत्र से निर्दलीय के.एल. ठाकुर को विजयी घोषित किया गया है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी आईएनसी के हरदीप सिंह बावा को 13264 मतों के अंतर से पराजित किया।

प्रत्याशी को प्राप्त मत

क्र.सं.	उम्मीदवार का नाम	पार्टी सम्बद्धता	प्राप्त वोट
1.	के.एल. ठाकुर	(निर्दलीय)	33427
2.	हरदीप सिंह बावा	(आईएनसी)	20163
	नोटा		590

52-दून विधानसभा क्षेत्र

52-दून निर्वाचन क्षेत्र से आईएनसी के राम कुमार को विजयी घोषित किया गया है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी भाजपा के परमजीत सिंह पम्मी को 6811 मतों के अंतर से पराजित किया।

प्रत्याशी को प्राप्त मत

क्र.सं.	उम्मीदवार का नाम	पार्टी सम्बद्धता	प्राप्त वोट
1.	राम कुमार	(आईएनसी)	32038
2.	परमजीत सिंह	(भाजपा)	25227
	नोटा		224

53-सोलन (अ.जा.)-विधानसभा क्षेत्र

53-सोलन(अ.जा.) निर्वाचन क्षेत्र से आईएनसी के धनी राम शांडिल को विजयी घोषित किया गया है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी भाजपा के राजेश कश्यप को 3858 मतों के अंतर से पराजित किया।

प्रत्याशी को प्राप्त मत

क्र.सं.	उम्मीदवार का नाम	पार्टी सम्बद्धता	प्राप्त वोट
1.	धनी राम शांडिल	(आईएनसी)	30089
2.	राजेश कश्यप	(भाजपा)	26231
	नोटा		634

54-कसौली (अ.जा.)-विधानसभा क्षेत्र

54-कसौली(अ.जा.) निर्वाचन क्षेत्र से आईएनसी के विनोद सुल्तानपुरी विजयी घोषित किया गया है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी भाजपा के राजीव सैजल को 6768 मतों के अंतर से पराजित किया।

प्रत्याशी को प्राप्त मत

क्र.सं.	उम्मीदवार का नाम	पार्टी सम्बद्धता	प्राप्त वोट
1.	विनोद सुल्तानपुरी	(आईएनसी)	28200
2.	राजीव सैजल	(भाजपा)	21432
	नोटा		348

55-पच्छाद (अ.जा.)-विधानसभा क्षेत्र

55-पच्छाद(अ.जा.) निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा की रीना को विजयी घोषित किया गया है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी आईएनसी की दयाल प्यारी को 3857 मतों के अंतर से पराजित किया।

प्रत्याशी को प्राप्त मत

क्र.सं.	उम्मीदवार का नाम	पार्टी सम्बद्धता	प्राप्त वोट
1.	रीना	(भाजपा)	21215
2.	दयाल प्यारी	(आईएनसी)	17358
	नोटा		466

56-नाहन विधानसभा क्षेत्र

56-नाहन निर्वाचन क्षेत्र से आईएनसी के अजय सोलंकी को विजयी घोषित किया गया है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी भाजपा के डॉ. राजीव बिंदल को 1639 मतों के अंतर से पराजित किया।

प्रत्याशी को प्राप्त मत

क्र.सं.	उम्मीदवार का नाम	पार्टी सम्बद्धता	प्राप्त वोट
1.	अजय सोलंकी	(आईएनसी)	35291
2.	डॉ. राजीव बिन्दल	(भाजपा)	33652
	नोटा		470

57-श्री रेणुकाजी(अ.जा.)विधानसभा क्षेत्र

57-श्री रेणुका जी(अ.जा.) निर्वाचन क्षेत्र से आईएनसी के विनय कुमार को विजयी घोषित किया गया है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी भाजपा के नारायण सिंह को 860 मतों के अंतर से पराजित किया।

प्रत्याशी को प्राप्त मत

क्र.सं.	उम्मीदवार का नाम	पार्टी सम्बद्धता	प्राप्त वोट
1.	विनय कुमार	(आईएनसी)	28642
2.	नारायण सिंह	(भाजपा)	27782
	नोटा		485

58-पांवटा साहिब विधानसभा क्षेत्र

58-पांवटा साहिब निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के सुखराम को विजयी घोषित किया गया है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी आईएनसी के किरनेश जंग को 8596 मतों के अंतर से पराजित किया।

प्रत्याशी को प्राप्त मत

क्र.सं.	उम्मीदवार का नाम	पार्टी सम्बद्धता	प्राप्त वोट
1.	सुख राम	(भाजपा)	31008
2.	किरनेश जंग	(आईएनसी)	22412
	नोटा		495

59-शिलाई विधानसभा क्षेत्र

59-शिलाई निर्वाचन क्षेत्र से आईएनसी के हर्षवर्धन चौहान को विजयी घोषित किया गया है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी भाजपा के बलदेव सिंह को 382 मतों के अंतर से पराजित किया।

प्रत्याशी को प्राप्त मत

क्र.सं.	उम्मीदवार का नाम	पार्टी सम्बद्धता	प्राप्त वोट
1.	हर्षवर्धन चौहान	(आईएनसी)	32093
2.	बलदेव सिंह	(भाजपा)	31711
	नोटा		525

60-चौपाल विधानसभा क्षेत्र

60-चौपाल निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के बलबीर सिंह वर्मा को विजयी घोषित किया गया है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी आईएनसी के रजनीश किमटा को 5033 मतों के अंतर से पराजित किया।

प्रत्याशी को प्राप्त मत

क्र.सं.	उम्मीदवार का नाम	पार्टी सम्बद्धता	प्राप्त वोट
1.	बलबीर सिंह वर्मा	(भाजपा)	25873
2.	रजनीश किमटा	(आईएनसी)	20840
	नोटा		550

61-ठियोग विधानसभा क्षेत्र

61-ठियोग निर्वाचन क्षेत्र से आईएनसी के कुलदीप सिंह राठौर को विजयी घोषित किया गया है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी भाजपा के अजय श्याम को 5269 मतों के अंतर से पराजित किया।

प्रत्याशी को प्राप्त मत

क्र.सं.	उम्मीदवार का नाम	पार्टी सम्बद्धता	प्राप्त वोट
1.	कुलदीप सिंह राठौर	(आईएनसी)	19447
2.	अजय श्याम	(भाजपा)	14178
	नोटा		349

62-कसुम्पटी विधानसभा क्षेत्र

62-कसुम्पटी निर्वाचन क्षेत्र से आईएनसी के अनिरुद्ध सिंह को विजयी घोषित किया गया है। उन्होंने अपनी निकटतम प्रतिद्वंदी भाजपा के सुरेश भारद्वाज को 8655 मतों के अंतर से पराजित किया।

प्रत्याशी को प्राप्त मत

क्र.सं.	उम्मीदवार का नाम	पार्टी सम्बद्धता	प्राप्त वोट
1.	अनिरूद्ध सिंह	(आईएनसी)	25759
2.	सुरेश भारद्वाज	(भाजपा)	17104
	नोटा		335

63-शिमला विधानसभा क्षेत्र

63- शिमला निर्वाचन क्षेत्र से आईएनसी के हरिश जनारथा को विजय घोषित किया गया है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी भाजपा के संजय सूद को 3037 मतों के अंतर से पराजित किया।

प्रत्याशी को प्राप्त मत

क्र.सं.	उम्मीदवार का नाम	पार्टी सम्बद्धता	प्राप्त वोट
1.	हरिश जनारथा	(आईएनसी)	15803
2.	संजय सूद	(भाजपा)	12766
	नोटा		237

64-शिमला ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र

64-शिमला ग्रामीण निर्वाचन क्षेत्र से आईएनसी के विक्रमादित्य सिंह को विजयी घोषित किया गया है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी भाजपा के रवि कुमार मेहता को 13860 मतों के अंतर से पराजित किया।

प्रत्याशी को प्राप्त मत

क्र.सं.	उम्मीदवार का नाम	पार्टी सम्बद्धता	प्राप्त वोट
1.	विक्रमादित्य सिंह	(आईएनसी)	35269
2.	रवि कुमार मेहता	(भाजपा)	21409
	नोटा		293

65-जुब्बल कोटखाई विधानसभा क्षेत्र

65-जुब्बल कोटखाई निर्वाचन क्षेत्र से आईएनसी के रोहित ठाकुर को विजयी घोषित किया गया है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी भाजपा के चेतन सिंह बरागटा को 5069 मतों के अंतर से पराजित किया।

प्रत्याशी को प्राप्त मत

क्र.सं.	उम्मीदवार का नाम	पार्टी सम्बद्धता	प्राप्त वोट
1.	रोहित ठाकुर	(आईएनसी)	31393
2.	चेतन सिंह बरागटा	(भाजपा)	26324
	नोटा		187

66-रामपुर(अ.जा.) विधानसभा क्षेत्र

66-रामपुर(अ.जा.) निर्वाचन क्षेत्र से आईएनसी के नंद लाल को विजयी घोषित किया गया है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी भाजपा के कौल सिंह को 567 मतों के अंतर से पराजित किया।

प्रत्याशी को प्राप्त मत

क्र.सं.	उम्मीदवार का नाम	पार्टी सम्बद्धता	प्राप्त वोट
1.	नन्द लाल	(आईएनसी)	28397
2.	कौल सिंह	(भाजपा)	27830
	नोटा		377

67-रोहडू(अ.जा.) विधानसभा क्षेत्र

67-रोहडू(अ.जा.) निर्वाचन क्षेत्र से आईएनसी के मोहन लाल ब्राक्टा को विजयी घोषित किया गया है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी भाजपा की शशि बाला को 19339 मतों के अंतर से पराजित किया।

प्रत्याशी को प्राप्त मत

क्र.सं.	उम्मीदवार का नाम	पार्टी सम्बद्धता	प्राप्त वोट
1.	मोहन लाल ब्राक्टा	(आईएनसी)	34327
2.	शशि बाला	(भाजपा)	14988
	नोटा		413

68-किन्नौर विधानसभा क्षेत्र

68-किन्नौर निर्वाचन क्षेत्र से आईएनसी के जगत सिंह नेगी को विजयी घोषित किया गया है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी भाजपा के सूरत नेगी को 6964 मतों के अंतर से पराजित किया।

प्रत्याशी को प्राप्त मत

क्र.सं.	उम्मीदवार का नाम	पार्टी सम्बद्धता	प्राप्त वोट
1.	जगत सिंह नेगी	(आईएनसी)	20696
2.	सूरत नेगी	(भाजपा)	13732
	नोटा		223

सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक श्री बलदेव शर्मा द्वारा ऋचा प्रिंटर्ज एण्ड पब्लिशर्ज़ रिवोली बस अड्डा लक्कड़ बाजार शिमला से प्रकाशित व मुद्रित दूरभाष: 0177-2805015, 94180-15015 फैक्स: 2805015

प्रधानमंत्री के चुनाव प्रचार के बावजूद भी हार गयी भाजपा नड्डा और जयराम पर उठे सवाल

चुनाव परिणामों ने मण्डी बनाम हिमाचल के आरोपों को किया प्रमाणित क्या यह 2024 के लोकसभा चुनाव के लिये बिछाई गयी बिसात है

शिमला/शैल। हिमाचल की जयराम सरकार डबल इंजन से ड्राइव होने के बावजूद सत्ता में वापसी नहीं कर पायी है। बल्कि 12 में से 9 मंत्री चुनाव हार गये। सोलन और हमीरपुर जिलों में भाजपा का खाता भी नहीं खुल पाया है। कांगड़ा, ऊना और शिमला में भी बहुत निराशाजनक प्रदर्शन रहा है। दोनों जनजातियों जिले भी हाथ से निकल गये हैं। यदि मण्डी और बिलासपुर का प्रदर्शन भी कहीं कांगड़ा जैसा ही रहता तो कांग्रेस का आंकड़ा निश्चित रूप से 50 हो जाता। शैल लगातार इस ओर यह संकेत करता रहा है। भाजपा के लिये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय

अध्यक्ष जे.पी. नड्डा से लेकर गृह मंत्री अमित शाह तथा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तक भाजपा का सारा शीर्ष नेतृत्व चुनाव प्रचार में लगा था। जब सुरेश भारद्वाज को शिमला से कुसुम्पटी बदला गया तब यह कहा गया था कि यह बदलाव हाईकमान के कहने से किया गया है और उन्हें जिताने की जिम्मेदारी भी हाईकमान की है। यह कहा गया था कि भारद्वाज का चुनाव क्षेत्र जे.पी. नड्डा के निर्देश पर बदला गया है। जे.पी. नड्डा हिमाचल में मंत्री रह चुके हैं। इसलिये वह प्रदेश के हर कोने से परिचित हैं। प्रदेश में जब भी नेतृत्व परिवर्तन या कुछ अन्य मंत्रियों की छंटनी करने या विभाग बदलने की चर्चाएं उठती थी और अन्त में उनका परिणाम कुछ भी नहीं निकलता था तो यह सब नड्डा प्रदेश से ताल्लुक रखने के कारण होता था। राष्ट्रीय अध्यक्ष होने और हिमाचल से ताल्लुक रखने के कारण यह नड्डा का अपना विशेषाधिकार था कि हिमाचल सरकार में कोई बदलाव किया जाना चाहिए या नहीं। इसी के साथ अगर सरकार की परफॉरमैन्स पर बात करें तो इस सरकार पर इसके अपने ही लोगों ने पत्र बम्बों से पहले ही वर्ष से हमले करने शुरू कर दिए थे और अन्त तक पहुंचते-पहुंचते लगभग हर मंत्री इन हमलों का शिकार हुआ। इन्हीं हमलों का परिणाम रहा है निदेशक स्वास्थ्य की गिरफ्तारी। लेकिन सरकार इन हमलों का गंभीरता से संज्ञान लेने की बजाये पार्टी के भीतर और बाहर अपने विरोधियों को दबाने के प्रयास में लगी रही। इस प्रयास के कारण सरकार भ्रष्टाचार का पर्याय बन कर रह गयी। जनता को घोषणाओं और आश्वासनों के अतिरिक्त कुछ नहीं मिला। क्योंकि केंद्र से कोई अलग से आर्थिक सहायता मिल नहीं पायी। केंद्र की हर घोषणा सैद्धांतिक स्वीकृति से आगे नही बढ़ पायी। डबल इंजन के कारण प्रदेश नेतृत्व इस पर मुंह नहीं खोल पाया। ऊपर से प्रशासन ने कर्ज का ऐसा सूत्र पकड़वा दिया जिसके कारण पद को जिम्मेदारी से ज्यादा भोग का केंद्र बना दिया। राजनीतिक मुहाने पर वस्तु स्थिति यह थी कि जगत प्रकाश नड्डा धूमल काल में जिस तरह से केंद्र में धकेले गये थे वह उससे खुश नहीं थे इसलिये भीतर से धूमल को विरोधी मानते थे। 2017 का चुनाव धूमल के नेतृत्व में लड़ा गया सरकार तो बन गयी लेकिन धूमल और उनके कुछ विश्वस्त साथी चुनाव हार गये। इस हार के कारण नये नेता के रूप में जयराम और नड्डा के गठजोड़ ने पहले दिन से ही धूमल को निशाने पर लेना शुरू कर दिया। मानव भारती विश्वविद्यालय प्रकरण में यह खेल खुलकर सामने आ गया। जब पार्टी के भीतर इस तरह की खेमेबाजी उभर गयी तो सारे खेमे एक दूसरे को निपटाने में ही व्यस्त हो गये। इसमें प्रशासन बिल्कुल अराजक हो गया। क्योंकि सरकार पर ऐसे सत्ता केंद्रों का कब्जा हो गया जिसके लिये सुशासन एक शब्द से अधिक कुछ नहीं था। सत्ता में वापसी के लिये मोदी के नाम की माला फेरने को गारंटी मान लिया था। इस खेल में धूमल परिवार को हाशिये पर धकेलना ही प्राथमिकता बन गया। जिस तरह के ब्यान नड्डा और भारद्वाज के आये उनसे यह संकेत गया कि 2017 में धूमल की हार प्रायोजित थी। सरकार की परफॉरमैन्स को लेकर यह आरोप सदन के अन्दर और बाहर लगने शुरु हो गये कि विकास में मण्डी बनाम पूरा प्रदेश होता जा रहा है। कई विभागों के कार्यालय दूसरे जिलों से उठाकर मण्डी लाये गये। मण्डी में भी ज्यादा प्राथमिकता सिराज और धर्मपुर को दिये जाने के आरोप लगे। भेदभाव के यह आरोप उस समय और भी ज्यादा गंभीर हो गये जब मंत्री महेन्द्र सिंह की बेटी को धरने पर बैठने की नौबत आ गयी। पार्टी और सरकार में ऐसे लोगों का दबदबा बढ़ता गया जो सीधे सरकार में शामिल ही नहीं थे। लेकिन मुख्यमन्त्री किन्ही कारणों से इस पर आंखें मुंदे रहे। अब चुनाव परिणामों ने भी मण्डी बनाम शेष हिमाचल के आरोपों को प्रमाणित कर दिया है। बिलासपुर सदर में जिस तरह से 477 पोस्टल मतों की गिनती राजनीतिक दबाव में न किये जाने के आरोप लगे हैं उससे जे.पी. नड्डा भी निशाने पर आ गये हैं। मण्डी और बिलासपुर की जीत को एक सुनियोजित डिजाइन के रूप में देख जा रहा है। शिमला और

हमीरपुर संसदीय क्षेत्रों की हार को भी इसी आयने में देखा जा रहा है। माना जा रहा है कि यह सब 2024 के चुनावों को सामने रखकर बिछाई गयी बिसात है।

बिना बजट प्रावधानों के हुये फैसलों पर लगी रोक

शिमला/शैल। चुनावों प्रचार के दौरान कांग्रेस ने जनता से वायदा किया था कि यदि वह सत्ता में आये तो जयराम सरकार द्वारा पिछले छःमाह में लिये गये फैसलों के समीक्षा की जायेगी। यह वायदा इसलिये किया गया था कि एक ओर तो सरकार करीब हर माह भारी कर्ज लेकर अपना काम चला रही थी तो दूसरी ओर हर विधानसभा क्षेत्र में लोगों को लुभाने के लिये सैंकड़ों करोड़ों की नई घोषणाएं कर रही थी। पिछले छः माह में की गयी हर तरह की घोषणा को पूरा करने पर होने वाले कुल खर्च का यदि जोड किया जाये तो यह विधानसभा द्वारा पारित वार्षिक बजट के आंकड़े से भी ज्यादा बढ़ जायेगा। शैल ने उस दौरान भी इस पर विस्तार से चर्चा की हुई है। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक था कि या तो सरकार सत्ता में वापसी के लिये जनता को जुमलों का झुनझुना थमा रही है या बिना सोचे समझे प्रदेश को कर्ज के दलदल में धकेल रही है। अब सरकार में आने पर कांग्रेस की यह आवश्यकता हो जाती है कि वह वायदे के अनुसार इन फैसलों की पड़ताल करती। इस पड़ताल के लिये मुख्यमंत्री सुक्खू ने विधायकों की एक टीम बनाकर इन फैसलों की समीक्षा की। सबंधित विभागों और वित्त विभाग से जानकारी ली गई और यह सामने आया कि घोषणाएं बिना बजट प्रावधानों के की गयी हैं। वित्त विभाग ने स्पष्ट किया है कि इन घोषणाओं को पूरा करने के लिये कोई बजट उपलब्ध नहीं है। वित्त विभाग की इस स्वीकारोक्ति से यह और सवाल खड़ा हो गया है कि जब वित्त विभाग के पास पैसा ही नहीं है तो फिर इन घोषणाओं के उद्घाटनों आयोजनों के लिए धन का प्रावधान कैसे और कहां से किया गया?

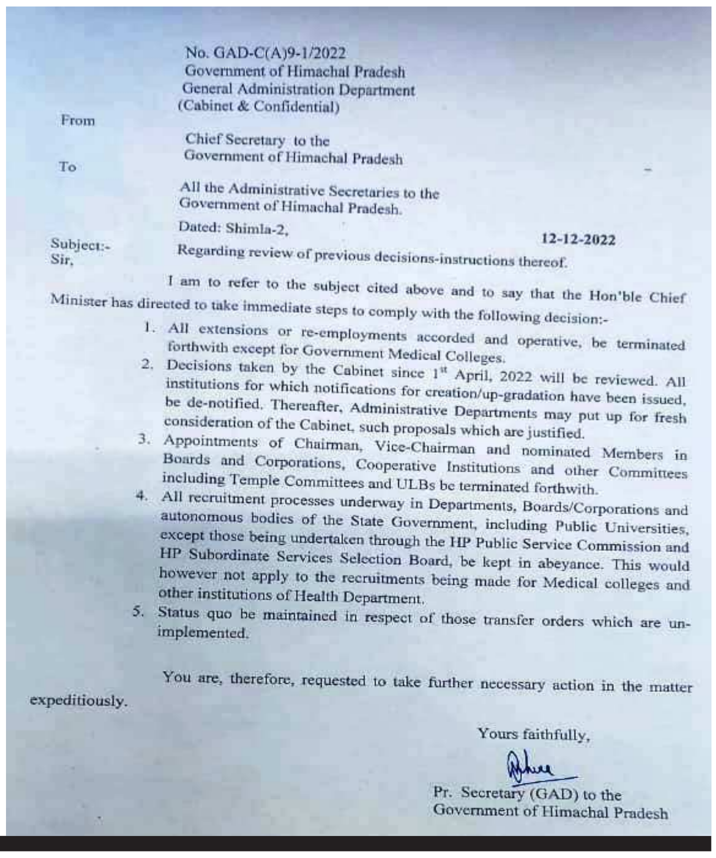

No. GAD-C(A)9-1/2022
Government of Himachal Pradesh
General Administration Department
(Cabinet & Confidential)

From
Chief Secretary to the
Government of Himachal Pradesh

To
All the Administrative Secretaries to the
Government of Himachal Pradesh.

Dated: Shimla-2, 12-12-2022

Subject:- Regarding review of previous decisions-instructions thereof.

Sir,

I am to refer to the subject cited above and to say that the Hon'ble Chief Minister has directed to take immediate steps to comply with the following decision:-

1. All extensions or re-employments accorded and operative, be terminated forthwith except for Government Medical Colleges.
2. Decisions taken by the Cabinet since 1st April, 2022 will be reviewed. All institutions for which notifications for creation/up-gradation have been issued, be de-notified. Thereafter, Administrative Departments may put up for fresh consideration of the Cabinet, such proposals which are justified.
3. Appointments of Chairman, Vice-Chairman and nominated Members in Boards and Corporations, Cooperative Institutions and other Committees including Temple Committees and ULBs be terminated forthwith.
4. All recruitment processes underway in Departments, Boards/Corporations and autonomous bodies of the State Government, including Public Universities, except those being undertaken through the HP Public Service Commission and HP Subordinate Services Selection Board, be kept in abeyance. This would however not apply to the recruitments being made for Medical colleges and other institutions of Health Department.
5. Status quo be maintained in respect of those transfer orders which are un-implemented.

You are, therefore, requested to take further necessary action in the matter expeditiously.

Yours faithfully,

Pr. Secretary (GAD) to the
Government of Himachal Pradesh